संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 242
पृष्ठ 8
शुक्रवार
22 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– गर्मियों में पेट की हर परेशानी...

विचार– सतीशन का मुख्यमंत्री बनना कांग्रेस...

खेल– लिटन दास और पाक के रिजवान भिड़े!

सीएम योगी बोले–

जब हम खेल की बात करते हैं, तो वह हर युवा को फिटनेस की सीख देता है

गोरखपुर,संवाददाता। यहां वाटर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी विकसित हुआ है। रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। आने वाले समय में यहां प्रतियोगिताएं होंगी। कामनवेल्थ खेल 2030 में अहमदाबाद में है। रोइंग की महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए गोरखपुर के रामगढ़ताल को चुना गया है। यहां अच्छे कोच, मैनेजर और एक्सपर्ट को यहां रखना होगा। जिससे भारत की टीम यहां मेडल ला सके। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले खेल सुविधाओं का नितांत अभाव था। वहीं आज हर गांव में खेल के मैदान हैं। हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम है। हर जनपद में स्टेडियम या तो बन चुके हैं या बन रहे हैं। गांव–गांव में प्रतियोगिताएं हो रही हैं। खेल और खेल की गतिविधियों के लिए लोगों में रुझान पैदा हुआ है। पिछली सरकारों में कोई

खेल नीति नहीं थी। सरकार बनने के बाद हमने खेल नीति बनाई। मेडल प्राप्त करने वाले 534 खिलाड़ियों की सीधी भर्ती उनके मेडल के आधार पर की। लगभग 500 खिलाड़ियों की भर्ती और चल रही है। जिन्होंने इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त किया है। जब हम खेल की बात करते हैं, तो वह हर युवा को फिटनेस की सीख देता है। जो शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होता है, वहीं बेहतर कर सकता है। भारत आज विश्व रोइंग मानचित्र पर एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा है। रामगढ़ताल, जिसमें यह प्रतियोगिता संपन्न हुई। यहां के बारे में 2017 के पहले लोग क्या–क्या बोलते थे। यहां गंदगी थी। इस सीजन में एकदम बदबू होती थी। कोई आ नहीं सकता था। वहीं रामगढ़ताल नेशनल प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है। यहां एशियन गेम की तैयारी के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का प्रशिक्षण भी यहीं हुआ। मुझे खुशी है कि गोरखपुर की इस ऐतिहासिक रामगढ़ झील में जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप का आयोजन हुआ। 20 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर प्रधानमंत्री के एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के कारण भारत में एवं भारत के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम का विकास तेजी से हुआ है। युवाओं की दृष्टि से यह अत्यंत शुभ लक्षण है। कहते हैं कि जिस देश का युवा सकारात्मक हो, उस देश का भविष्य उज्जवल होता है। स्पोर्ट्स परसन हमेशा सकारात्मक भाव के साथ काम करता है। वह नकारात्मकता, नशा से दूर रहता है। आत्म अनुशासन का महत्व भी वह बताता है। पिछले 11–12 वर्ष में स्पोर्ट्स का वह इकोसिस्टम भारत में विकसित हुआ। नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में भी यह इकोसिस्टम विकसित हुआ। जब मैं प्रतियोगिताओं को देख रहा था तो बहुत अच्छा लगा। विपरीत परिस्थितियां थीं, तेज हवा चल रही थी। तब मुझे वह पंक्तियां याद आ गईं कि लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जो डर गया वो मर गया। जो भाग गया, उसे समाज, ईश्वर कभी माफ नहीं करता। जीवन का एक ही मंत्र है चरवैति, चरवैति यानी चलते रहो, चलते रहो। खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव ने कहा– उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को सारी सुविधाएं मिल रही हैं। उसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश ने पदक जीता है। खिलाड़ियों के उत्सावर्द्धन के लिए मुख्यमंत्री ने सभी को नौकरी देने का फैसला किया है। अब तक 20 से अधिक लोगों को नौकरी दी जा चुकी है। रविकिशन ने विपक्ष के नेताओं को टारगेट करते हुए कहा– श्श्यहां रोइंग चलत बा बाबूश्श। यह कहते हुए उनकी एक्टिंग पर खूब तालियां बजीं। मुख्यमंत्री के पास बैठे–बैठे भी उन्होंने यह एक्टिंग की।

रविकिशन ने कहा– रोइंग में 1990 के बाद उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने नेशनल में स्वर्ण पदक जीता। इजिप्ट में यह खेल शुरू हुआ था। बाद में यह कयाकिंग व रोइंग के रूप में आया। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि जो रामगढ़ताल सपा की सरकार में नाले के लिए इस्तेमाल होती थी। गोरखपुर का कचरा यहां फेंका जाता था। जानवर की लाशें बहती थीं। आज जहां चप्पू चल रहा है, पहले वहां गोलियां चलती थी। पिछली सरकार ने इसे गंदगी का अड्ड्डा बना दिया था। यह ताल इंटरनेशनल स्पोर्ट्स के लिए तैयार हो चुका है। यहां इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाया जा रहा है।

16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एसआईआर का कार्यक्रम जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तीसरे चरण का कार्यक्रम जारी किया। यह 1 अक्तूबर से 23 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसमें 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची में शामिल होने के लिए मतदाता की पात्रता की अंतिम तिथि 1 जुलाई से 1अक्तूबर तक है। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर–चरण तीन आयोजित किया जाएगा। उनमें तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, दादरा और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। नगर हवेली और दमन और दीव, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर शामिल हैं। तीसरे चरण के प्रारंभ होने के साथ ही एसआईआर अभ्यास हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश को प्रभावी ढंग से कवर करेगा। व्यापक पुनरीक्षण अभियान के तहत, जनगणना चरण के दौरान 394 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) लगभग 3673 करोड़

मतदाताओं का घर–घर जाकर सत्यापन करेंगे। वहीं, विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से नामित लगभग 342 लाख बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) बीएलओ की सहायता करेंगे। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में एसआईआर के काम पूरा करने की आखिरी तारीख 1 जुलाई होगी। इन राज्यों में दस्तावेजों की तैयारी, प्रशिक्षण और छपाई 20 मई से शुरू होगी। वहीं, 29 मई तक जारी रहने की उम्मीद है। बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर–घर जाकर 30 मई से 28 जून के बीच मतदान किया जाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सीजेआई सूर्यकांत ने दिए सभी उच्च न्यायालयों को ऑनलाइन सुनवाई के निर्देश

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने देश भर के सभी उच्च न्यायालयों को ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्देश दिया है और उनमें से अधिकतर ने इसे लागू कर दिया है। प्रधान न्यायाधीन ने यह टिप्पणी तब की जब एक वकील ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक याचिका दाखिल की जिसमें दिल्ली की सभी अदालतों को अपना कामकाज ऑनलाइन माध्यम से करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, मैं पहले ही मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध कर चुका हूं। अधिकतर ने इसे लागू कर दिया है। यह बार और पीठ दोनों की स्वैच्छिक प्रक्रिया होनी चाहिए। वकील ने सर्वोच्च अदालत को बताया कि अपनी याचिका में उन्होंने राष्ट्रहित में सभी जिला अदालतों को तीन

महीने तक ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जिला अदालत उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। जिला अदालतें उच्च न्यायालयों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में हैं। उन्हें इस पर निर्णय लेने दीजिए... मैंने उनसे जिला अदालतों के लिए भी अनुरोध किया है। सोमवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर अनावश्यक खर्च को कम करने के लिए फिलहाल सोमवार और शुक्रवार को ऑनलाइन सुनवाई करने का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने 15 मई को, सोमवार और शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामलों की सुनवाई करने का फैसला किया और न्यायाधीशों ने ईंधन बचाने के लिए कार पूलिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया। पश्चिम एशिया संकट के कारण अनावश्यक खर्चों में कटौती करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद यह कदम उठाया गया है।

राजनाथ सिंह ने वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि, कहा

दोनों देशों का साझा इतिहास सामरिक साझेदारी की मजबूत नींव

सियोल,एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह–यूल ने गुरुवार को सियोल के इमजिनगैक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर निर्मित यह स्मारक भारतीय सैनिकों के साहस, बलिदान और मानवीय सेवा को समर्पित है। यह स्मारक कोरियाई युद्ध के दौरान भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस और कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया (सीएफआई) की वीरता और मानवीय योगदान की याद में बनाया गया है। दोनों नेताओं ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप में शांति स्थापना और मानवीय सहायता में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया का साझा इतिहास तथा बलिदान दोनों देशों की विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों के योगदान को याद करना दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करता है। स्मारक निर्माण में सहयोग के लिए उन्होंने दक्षिण कोरिया सरकार और वहां के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय का आभार जताया। दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह–यूल ने कोरियाई युद्ध में भारत की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों की मानवीय सेवा और बलिदान ने दोनों देशों के बीच अटूट मित्रता को मजबूत किया है। कोरियाई युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों को सम्मानित करने और आपसी सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर सैनिकों के बलिदान

और योगदान पर आधारित एक संस्मरण भी जारी किया गया। कोरियाई युद्ध के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) ए.जी. रंगराज के नेतृत्व में 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस ने भीषण संघर्ष के बीच हजारों घायल सैनिकों और नागरिकों का उपचार किया था। उनकी असाधारण सेवा और मानवीय दृष्टिकोण के कारण उन्हें 'मरून एंजल्स' कहा गया। युद्धविराम के बाद भारत ने कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया के माध्यम से युद्धबंदियों के प्रत्यावर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1953 के युद्धविराम समझौते के बाद लेफ्टिनेंट जनरल के.एस. थिमैया के नेतृत्व में तटस्थ राष्ट्र प्रत्यावर्तन आयोग का गठन किया गया था। सीएफआई ने निष्पक्षता, पेशेवरता और करुणा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, जिसके लिए उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली। लेफ्टिनेंट जनरल थिमैया का नेतृत्व आज भी कोरियाई युद्ध में भारत की शांतिपूर्ण भूमिका का प्रतीक माना जाता है। भारतीय युद्ध स्मारक उसी क्षेत्र में स्थापित किया गया है जहां 1954 में सीएफआई ने 'हिंद नगर' की स्थापना की थी। यहां लगभग 22 हजार युद्धबंदियों को शांतिपूर्ण प्रत्यावर्तन तक रखा गया था। इस परियोजना को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से विकसित किया गया है। समारोह में दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी, सैन्य प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, राजनयिक समुदाय के सदस्य और कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। लेफ्टिनेंट कर्नल ए.जी. रंगराज की भतीजी कल्पना प्रसाद भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्रालय ने इस महीने को कर्नल रंगराज के सम्मान में समर्पित किया है।

पीयूष गोयल का राहुल के बयान पर पलटवार

कांग्रेस का घुसपैठियों को संरक्षण देना गद्दारी है

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कड़ी आलोचन की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश में सभी को लाभ होगा। इसके ठोस परिणाम प्राप्त हुए हैं।

यहां भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने प्रधानमंत्री की यूएई, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की हाल ही में संपन्न हुई यात्राओं के परिणामों को गिनाया। इसके साथ ही कहा कि मोदी भारत के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ लेकर लौटे हैं। गोयल ने कहा कि चाहे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत

करना हो, रक्षा क्षेत्र को मजबूत करना हो या विदेशी निवेश को आकर्षित करना और निर्यात बढ़ाना हो, प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों के लाभ के लिए बड़े परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, एक तरफ तो पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी को अपार विश्वास की नजरों से देखती है। वहीं दूसरी तरफ नकारात्मक मानसिकता वाले राहुल गांधी अपने शब्दों और भाषा के माध्यम से बार–बार अपना असली स्वभाव और चरित्र प्रकट करते हैं। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर बेहद घटिया भाषा में अपशब्दों का प्रयोग करना वास्तव में निंदनीय है।

उन्होंने पूछा मुझे बताइए, क्या नक्सलवाद का अंत गद्दारी का कार्य है या कांग्रेस शासन के दौरान वर्षों तक नक्सलवाद को पनपने देना ही असली गद्दारी थी? क्या हम तिरंगे की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के कार्य को गद्दारी कहेंगे? श्या फिर, क्या हम इसे गद्दारी मानेंगे जब कोई व्यक्ति केवल भारत के तिरंगे का अपमान करने के लिए विदेश यात्रा करता है?श इसी क्रम को जारी रखते हुए मंत्री ने पूछा, क्या आतंकवाद की कमर तोड़ना, उसे मुंहतोड़ जवाब देना गद्दारी माना जाएगा या आतंकवादियों को बिरयानी खिलाना और उनसे समझौता करना गद्दारी समझा जाएगा? गोयल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को सुरक्षित रखा है , जो उनकी सच्ची देशभक्ति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह से घुसपैठियों को संरक्षण प्रदान करते हैं, वह गद्दारी है। दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित अपने लोकसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस पर हमला करते हुए उन्हें देशद्रोही कहा था। उन्होंने कहा, गालियां कमजोरों का हथियार हैं।

राजनीतिक आलोचना प्राइवेसी का उल्लंघन नहीं

● राघव चड्डा को दिल्ली हाईकोर्ट का दो टूक

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि राजनीतिक आलोचना और मानहानि के बीच एक पतली रेखा होती है। न्यायालय ने सांसद राघव चड्ढा से पूछा कि क्या वे सोशल मीडिया पर उनकी राजनीतिक निर्णय की आलोचना करने वाली पोस्टों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। चड्ढा, जिन्होंने हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा ज्वाइन की है, ने उच्च न्यायालय में उन सोशल मीडिया पोस्टों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है जिन्हें उन्होंने दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत बताया है और जो उनकी प्रतिष्ठा और

व्यक्तित्व अधिकारों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती हैं। चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने तर्क दिया कि कुछ पोस्टों में आपत्तिजनक सामग्री थी, जिनमें से एक में उन्हें पैसे के लिए खुद को बेच देने वाला दिखाया गया है। कथित आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए अंतरिम राहत के पहलू पर फैसला सुरक्षित रखते हुए, न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद ने स्वीकार किया कि यद्यपि प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है, संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी छीना नहीं जा सकता।

न्यायमूर्ति प्रसाद ने सुनवाई के दौरान पूछा कि यह एक व्यक्ति द्वारा राजनीतिक निर्णय की आलोचना करते हुए की गई टिप्पणी है। क्या आप एक राजनीतिक नेता के रूप में संवेदनशील हो सकते हैं? न्यायाधीश ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से ही हम आर. के. लक्ष्मण के कार्टून देखते आ रहे हैं।

जाम से मचा हाहाकार, पूरे शहर में रेंगते रहे वाहन, चिलचिलाती धूप ने किया बेहाल

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में डॉक्टरों और वकीलों के बीच मारपीट के बाद जहां अस्पताल में डॉक्टर हड़ताल पर हैं वहीं वकीलों ने शहर में चक्काजाम कर दिया गया है। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में डॉक्टरों और वकीलों के बीच मारपीट के बाद जहां अस्पताल में डॉक्टर हड़ताल पर हैं वहीं वकीलों ने शहर में चक्काजाम कर दिया गया है। इससे पूरे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। चौफटका, सुलेमसराय, धूमनगंज से लेकर एकलव्य चौराहा, सिविल लाइंस, मेडिकल कॉलेज हर तरफ जाम की स्थिति बनी हुई है। चिलचिलाती धूप में घंटों जाम में फंसने के कारण लोगों का हाल बेहाल हो गया है। भीषण जाम के आगे ट्रैफिक पुलिस भी बेबस नजर आ रही है। दो पहिया और चार पहिया वाहन से लेकर बड़े वाहन रेंग रहे हैं। एकलव्य चौराहे पर बैरिकेडिंग कर आवागमन रोक दिया गया है।

1265 प्रगणकों और 214 पर्यवेक्षकों को सामग्री उपलब्ध

प्रयागराज। क्षेत्र में 22 मई से 21 जून तक प्रस्तावित मकान सूचीकरण के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। फूलपुर ब्लॉक मुख्यालय पर बुधवार को एसडीएम अविनाश सिंह यादव की देखरेख में 1265 प्रगणकों और 214 पर्यवेक्षकों को जनगणना किट और नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। अधिकारियों ने बताया कि तहसील क्षेत्र में सभी कार्मिकों को आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध करा दी गई है। फूलपुर तहसील के चारों विकास खंड क्रमशः फूलपुर, बहरिया, बहादुरपुर और सहसों के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को किट और डिजिटल माध्यम से आंकड़ों के संकलन के लिए जनगणना मोबाइल ऐप, 127 रिजर्व प्रगणकों को भी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई है। मंगलवार तक लगभग 80 प्रतिशत वितरण कार्य पूरा हो चुका था, बुधवार को शेष कर्मचारियों को सामग्री उपलब्ध कराकर वितरण प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस अवसर पर एसडीएम अविनाश सिंह यादव, तहसीलदार रविशंकर सिंह, नायब तहसीलदार राकेश कुमार यादव, रणविजय सिंह, रविंद्र रावत आदि रहे।

ग्रामीणों को पीएम सूर्य घर योजना का लाभ बताया

प्रयागराज। ब्लॉक सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जागरूकता अभियान के तहत किसानों को इसके लाभ से परिचित कराया गया। इसमें सॉलेरियम कंपनी के सिटी हेड कामता मिश्रा, वरिष्ठ कार्यकारी शुभम पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी और मयंक शुक्ला ने लोगों को योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को एक लाख आठ हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना के लाभ के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार ब्लॉक में लोगों को जागरूक करने के लिए सॉलेरियम कंपनी का चयन किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाना और बिजली बिलों से मुक्ति दिलाना है। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी, सचिव, ग्राम प्रधान, ग्रामीण आदि मौजूद रहे।

बुजुर्ग महिला हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने करीब एक माह पहले बबुरा गांव में बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों से मृतका के चांदी के गहने भी बरामद किए हैं। 12 अप्रैल को बबुरा गांव में कस्तूरा देवी (62) की मुंह दबाकर हत्या कर दी गई थी। घटना के अगले दिन उनका शव चारपाई पर मिला था। मौके पर कपड़े अस्त–व्यस्त थे और शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। घर के अंदर कमरे में उनकी नाबालिग नातिन भी सो रही थी। मामले में साड़ी गांव निवासी मृतका की बेटी उषा देवी ने हत्या की सूचना दी थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान बबुरा बरहाकला गांव निवासी बृजेश कुमार बिंद उर्फ मुत्तन और रंगलाल बिंद की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उनके पास से दो पायल, दो कंगन, चार बिछिया और दो अंगूठियां बरामद की गईं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कर्ज के चलते उन्होंने वारदात को अंजाम दिया था। मृतका घर में अकेली रहती थी और दोनों का उसके यहां आना–जाना था। गहनों के लालच में रात में घर पहुंचकर उन्होंने महिला का मुंह और नाक दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद गहने लेकर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी बृजेश के खिलाफ पहले से लूट और विस्फोटक अधिनियम के मामले दर्ज हैं।

छात्र की हत्या के विरोध में किया चक्काजाम

प्रयागराज। आठवीं के छात्र मृतक समीर (14) का बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों ने चक्काजाम किया। एसीपी के समझाने के बाद चक्काजाम खत्म हुआ। उधर, छात्र की हत्या के दूसरे दिन भी पुलिस को मामले में कोई ठोस सुराग नहीं लगा। हालांकि, पुलिस एफआईआर में नामजद दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि हिरासत में लिए गए दो लोगों से पूछताछ की जा रही है। अभी किसी प्रकार का क्लू पता नहीं चल सका है। बुधवार शाम को छतवा गंगा घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया।

त्रिवेणी एक्सप्रेस की चपेट में आकर बुजुर्ग महिला की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज–ऊंचाहार रेल मार्ग पर लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन के पास त्रिवेणी एक्सप्रेस की चपेट में आकर एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना के बाद से पुलिस मृतका की पहचान करने की कोशिशों में जुटी है। मंगलवार रात करीब 8:45 बजे ऊंचाहार से प्रयागराज की ओर जाने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस लालगोपालगंज स्टेशन निर्धारित ठहराव के बाद आगे के लिए रवाना हुई, तभी वहां से गुजर रहे जीआरपी के जवानों ने एक बुजुर्ग महिला का शव पड़ा हुआ देखा। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। करीब 65 वर्ष की बुजुर्ग मृतका लाल रंग की साड़ी पहने हुए थी। जीआरपी चौकी प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। शव के शिनाख्त की उम्मीद में बुधवार सुबह तक शव को स्टेशन पर रखकर आसपास के लोगों से पहचान कराई गई। जब शिनाख्त नहीं हो सकी तो कागजी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में बड़ा खेल, दो उत्तर पुस्तिकाओं पर एक ही अनुक्रमांक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। आगरा, प्रयागराज, बलिया, गाजीपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, मैनपुरी और प्रतापगढ़ समेत 32 जिलों में दो–दो उत्तर पुस्तिकाओं पर एक ही अनुक्रमांक मिलने के मामले सामने आए हैं। अब तक 94 से अधिक परीक्षार्थियों की कॉपियां संदिग्ध मिलने के बाद यूपी बोर्ड ने ऐसे छात्रों का परीक्षा परिणाम रोकते हुए जांच बैठा दी है। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों से 30 मई तक विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की गई है।

यूपी बोर्ड ने इस वर्ष परीक्षा में नकल और गड़बड़ी रोकने के लिए कई हाईटेक इंतजाम किए थे। पहली बार मेरठ, बरेली, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर के मूल्यांकन केंद्रों से परीक्षार्थियों के अंक प्रतिदिन सीधे परिषद के पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कराए गए। प्रश्नपत्रों के प्रत्येक पृष्ठ पर केंद्रवार गोपनीय न्यूमेरिक कोड अंकित किए गए, ताकि पेपर लीक या पूर्व प्रकटन की स्थिति में केंद्र की तत्काल पहचान की जा सके। इसके अलावा प्रश्नपत्रों के रिजर्व सेट, परीक्षा केंद्रों पर जैमर और 18 जिलों

को संवेदनशील घोषित करने जैसी व्यवस्थाएं भी लागू की गई थीं। इसके बावजूद सबसे अधिक गड़बड़ियां इन्हीं संवेदनशील जिलों में सामने आई हैं।

सूत्रों के मुताबिक प्रयागराज के एक विद्यालय की मूल उत्तर पुस्तिकाओं में अलीगढ़ में बी कॉपी जोड़े जाने का मामला पहले ही उजागर हो चुका है। अब दो–दो उत्तर पुस्तिकाओं पर एक ही अनुक्रमांक मिलने से परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिकाएं बदली गईं। मामले की जांच शुरू होते ही संबंधित स्कूल प्रबंधक और केंद्र व्यवस्थापक खुद को बचाने में जुट गए हैं।

इन जिलों में मिली सबसे अधिक गड़बड़ी

प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत हाईस्कूल में प्रयागराज, सीतापुर, महोबा और प्रतापगढ़ में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं, जबकि इंटरमीडिएट में प्रयागराज, प्रतापगढ़, हरदोई और इटावा में मामले मिले हैं। मेरठ क्षेत्र में हाईस्कूल में हाथरस, मैनपुरी, आगरा, एटा और हापुड़ व इंटरमीडिएट में आगरा, अलीगढ़ और झांसी में मामले पकड़े गए हैं। गोरखपुर क्षेत्र में हाईस्कूल में गोरखपुर, गोंडा और महराजगंज, जबकि इंटरमीडिएट में देवरिया में सबसे अधिक आठ मामले सामने आए हैं।

इसके अलावा कुशीनगर, संतकबीरनगर, गोंडा, गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में भी गड़बड़ी मिली है। वाराणसी क्षेत्र में हाईस्कूल में आजमगढ़, गाजीपुर, मिर्जापुर और मऊ में मामले सामने आए हैं। इंटरमीडिएट में मिर्जापुर, आजमगढ़, बलिया, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर, अयोध्या और अमेठी शामिल हैं। बरेली क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत हाईस्कूल में अमरोहा और मुरादाबाद व इंटरमीडिएट में शाहजहांपुर में मामला पकड़ा गया है।

बोर्ड परीक्षा के आंकड़े

कक्षा पंजीकृत परीक्षा में शामिल उत्तीर्ण

हाईस्कूल 27,51,149 26,01,381 23,52,181

इंटरमीडिएट 24,91,493 24,86,072 19,98,317

मामला पकड़ में आने के बाद जांच बैठा दी गई है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषियों के खिलाफ विभागीय और विधिक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित केंद्रों को डिबार भी किया जाएगा। – भगवती सिंह, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद

एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल जारी, इलाज न मिलने से परेशान हुए मरीज

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में वकीलों से विवाद के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने हड़ताल वापस लौटना पड़ा। डॉक्टर अपनी सुरक्षा की मांग पर अड़े हुए हैं। कहा कि जब तक सुरक्षा की गारंटी नहीं मिल जाती तब

दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रही। इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में वकीलों से विवाद के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने हड़ताल दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी जारी रही। इससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इलाज के लिए आए मरीजों को बैरंग तक वह काम नहीं शुरू करेंगे। उधर, दोपहर में करीब 12 बजे पर्चा काउंटर खोल दिया गया और पर्चे काटने का काम शुरू गया, लेकिन जूनियर डॉक्टरों ने काम नहीं शुरू किया। कंसल्टेंट ने कुछ मरीजों को देखा। इमरजेंसी सेवा पूरी तरह से बाधित रही।

वकीलों से विवाद के बाद एसआरएन अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर हैं। बुधवरा को जूनियर डॉक्टरों ने हाथ में तख्तियां लेकर धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। दोपहर में पहुंचे एसीएम प्रथम सत्यम मिश्रा ने काम पर लौटने का आग्रह किया लेकिन डॉक्टर बिना सुरक्षा की गारंटी मिले काम पर लौटने के लिए तैयार नहीं हुए।

कहा कि अगर उनके साथ कोई घटना हो गई तो कौन जिम्मेदारी कौन लेगा। डॉ. मोहित जैन ने भी प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को समझाने का प्रयास किया। कहा कि डॉक्टरों की मांग जायज है लेकिन इसमें मरीजों का क्या दोष है। हमारी प्राथमकिता मरीजों का इलाज करना होना चाहिए, लेकिन हड़ताल खत्म करने के लिए जेआर राजी नहीं हुए।

अज्ञात हमालवारों पर मुकदमा दर्ज

एसआरएन अस्पताल में चिकित्सकों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने जूनियर डॉक्टरों की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

जूनियर डॉक्टरों ने सोशल मीडिया पर चलाया अभियान

हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टरों ने सोशल मीडिया पर सामूहिक रूप से अभियान चलाया है। मुख्यमंत्री से सुरक्षा की गुहार लगाई है। बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने अपने मोबाइल से सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करके आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कहा कि अस्पताल में आए दिन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। इस पर अंकुश लगाया जाए और यहां सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अब अंग्रेजी में भी मिलेंगी यूपी बोर्ड की एनसीईआरटी की किताबें, ढाई लाख छात्रों को मिलेगा लाभ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत देने की तैयारी की है। लंबे समय बाद यूपी बोर्ड अब अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में कराने जा रहा है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत देने की तैयारी की है। लंबे समय बाद यूपी बोर्ड अब अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन अंग्रेजी भाषा में कराने जा रहा है। इस फैसले से प्रदेश के करीब ढाई लाख विद्यार्थियों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। अब तक यूपी बोर्ड में अंग्रेजी माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं को पढ़ाई के दौरान सबसे बड़ी समस्या अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकों की उपलब्धता को लेकर होती थी। विद्यालयों में पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से होती थी, लेकिन किताबें प्रायः हिंदी माध्यम में ही उपलब्ध कराई जाती थीं। ऐसे में विद्यार्थियों को बाजार से महंगी निजी प्रकाशकों की

किताबें खरीदनी पड़ती थीं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विद्यार्थियों को कम कीमत पर अंग्रेजी माध्यम की एनसीईआरटी पुस्तकें आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। हर वर्ष 50 से 52 लाख छात्र–छात्राएं पंजीकरण कराते हैं। इनमें एक लाख से अधिक विद्यार्थी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करते हैं। परिषद ने इन्हीं छात्रों की जरूरत को देखते हुए शैक्षिक सत्र 2026–27 से अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकों के प्रकाशन की तैयारी शुरू की है। परिषद के अनुसार कक्षा नौ, 10, 11 और 12 के विभिन्न विषयों की एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें प्रदेश के राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्त विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। खास बात यह है कि ये पुस्तकें बाजार में उपलब्ध निजी प्रकाशकों की पुस्तकों की तुलना में काफी सस्ती होंगी। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को सबसे अधिक फायदा मिलेगा। अभी तक सीबीएसई पैटर्न की अंग्रेजी माध्यम की किताबें निजी बाजार में महंगे दामों पर मिलती थीं, जिसके कारण कई छात्र पूरी पुस्तकें खरीदने में सक्षम नहीं हो पाते थे। यूपी बोर्ड की ओर से कम कीमत पर पुस्तकें उपलब्ध कराए जाने से छात्रों का आर्थिक बोझ कम होगा।

अभी तक हिंदी माध्यम की पुस्तकों का ही प्रकाशन कराया जाता था, लेकिन अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की समस्याओं को देखते हुए अब अंग्रेजी भाषा में भी एनसीईआरटी पुस्तकों का प्रकाशन कराया जाएगा। इससे छात्रों को अध्ययन सामग्री प्राप्त करने में काफी सुविधा होगी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। – भगवती सिंह, सचिव, उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद

मुट्ठीगंज में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या, घर से बुलाकर वारदात को दिया अंजाम

प्रयागराज। मुट्ठीगंज इलाके में एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सक्षम शर्मा की (25) पर कई मामले दर्ज थे। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मुट्ठीगंज इलाके में एक हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सक्षम शर्मा की (25) पर कई मामले दर्ज थे। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। घायल सक्षम को पहले एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन परिजनों का आरोप है कि वहां इलाज नहीं मिला, जिसके बाद उसे बेली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक की मां का आरोप है कि पुराने विवाद को लेकर विमल और कमल ने सक्षम को घर से बुलाया और गली में ले जाकर गोली मार दी। परिजनों के मुताबिक मार्च महीने में भी सक्षम पर जानलेवा हमला हुआ था। उस मामले में बृहस्पतिवार को बयान दर्ज होना था, लेकिन उससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही मुट्ठीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि इस पर कई एफआईआर दर्ज हैं। कुछ माह पहले आगजनी की घटना में भी सक्षम का नाम सामने आया था।

हत्या के बाद परिवार में कोहराम मचा है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वारदात में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

बाइक की चपेट में आकर व्यक्ति की गई जान

प्रयागराज। जोरवट गांव में बुधवार को बाइक की चपेट में आकर कौंदी निवासी सिपाही लाल (58) पुत्र खिलाड़ी प्रसाद की मौत हो गई। सिपाही लाल पैदल अपने घर लौट रहे थे। तभी जोरवट गांव में बाइक की चपेट में आकर वे घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने उन्हें सीएचसी कोरांव भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के भतीजे ऋषिराज माझी ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक खीरी कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आए पिता की मौत, पुत्र घायल

प्रयागराज। प्रयागराज–बांदा हाईवे पर मंगलवार रात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पिता की मौत हो गई। जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका वाराणसी में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घूरपुर थाना अंतर्गत के पचखरा निवासी राजकुमार द्विवेदी उर्फ मोनू द्विवेदी (26) पुत्र राम लोचन आठ वर्षीय बेटे शिव शंकर द्विवेदी के साथ मंगलवार रात बांदा हाईवे पर एक ढाबे पर खाना खाने गए थे। दोनों खाना खाने के बाद सड़क पर आए और बाइक से जाने लगे। उसी समय एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इस दौरान घटनास्थल पर पहुंचे परिजन घायल बेटे को प्रयागराज ले गए। जहां हालत गंभीर देखते हुए परिजन उसे वाराणसी ले कर चले गए। वहां उसका इलाज चल रहा है। क्षेत्र के सेहुड़ा गांव के समीप राधेश्याम केसरवानी की पुत्री घर के पास खेल रही थी। तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इससे पूनम केसरवानी (12) की मौके पर मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची बारा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रक की टक्कर से सरायइनायत पुलिस की जीप पलटी, दरोगा समेत चार घायल

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के कुआंडीह गांव में बुधवार को देर रात गश्त से लौट रही सरायइनायत पुलिस की

जीप ट्रक की टक्कर से पलट गई। हादसे में दरोगा समेत चार पुलिस कर्मी घायल हो गए। सरायइनायत थाना क्षेत्र के कुआंडीह गांव में बुधवार को देर रात गश्त से लौट रही सरायइनायत पुलिस की गाड़ी ट्रक की टक्कर से पलट गई। हादसे में दरोगा समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बुधवार को रात थाने पर तैनात एसआई जगदीश यादव थाने की जीप से गश्त के लिए निकले थे। देर रात करीब 2.30 बजे वे हनुमानगंज की ओर से थाने लौट रहे थे। थाने से करीब सौ मीटर पहले होंडा एजेंसी के पास पुलिस की गाड़ी में एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी जीटी रोड पर बने डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। हादसे में सभी पुलिसकर्मी जीप के नीचे दब गए। इस बीच मौका पाकर ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। जीप के नीचे दबे पुलिसकर्मियों की चीख पुकार सुनकर सड़क से गुजर रहे दूसरे वाहन चालकों ने गाड़ी रोककर उन्हें गाड़ी से बाहर निकाला। सूचना पाकर थाने की पुलिस पहुंच गई और सभी घायलों को अस्पताल भेजवाया। हादसे में गाड़ी पर सवार एसआई जगदीश यादव, चालक अरुण यादव, कांस्टेबल अजीत एवं अनुज घायल हुए हैं। जिसमें अनुज की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने एसआई जगदीश यादव की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से ट्रक चालक की पहचान करने में जुटी हुई है।

'यूपी रियल एस्टेट सेक्टर बना निवेश का नया केंद्र, आईसीसी यूपी रियल एस्टेट समिट 2026 में इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास पर मंथन'

उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट सेक्टर अब मजबूत विकास के दौर में यूपी रेरा चेयरमैन संजय आर. भूसरेड्डी

लखनऊ, (संवाददाता)। इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) ने ताज महल,लखनऊ में आईसीसी यूपी रियल एस्टेट समिट 2026 का आयोजन किया। इस समिट में नीति निर्माता, रेगुलेटरी संस्थाएं, डेवलपर्स, निवेशक, कंसल्टेंट्स और इंडस्ट्री से जुड़े कई विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बदलते रियल एस्टेट परिदृश्य और राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में रियल एस्टेट सेक्टर की भूमिका पर चर्चा की गई। समिट के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास, उभरते शहरों में बढ़ती हाउसिंग डिमांड, रेगुलेटरी सुधार, टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और कमर्शियल व को–वर्किंग स्पेस के भविष्य जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

पूरे दिन चले इस सम्मेलन में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, रियल एस्टेट डेवलपर्स, शहरी योजनाकार और उद्योग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सभी ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश तेजी से देश के सबसे महत्वपूर्ण निवेश और शहरी विकास केंद्रों में शामिल होता जा रहा है।कार्यक्रम की शुरुआत इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स के डायरेक्टर जनरल डॉ. राजीव सिंह के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद यूपी रेरा के चेयरमैन संजय आर. भूसरेड्डी ने थीम एड्रेस दिया। एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन और फाउंडर अनुज पुरी ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार रखे। 'समिट में उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट बाजार को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख विषयों पर चार विशेष सत्र आयोजित किए गए।' 'इंफ्रास्ट्रक्चर, नीतियों और शहरी विकास से यूपी के 1 ट्रिलियन डॉलर रियल एस्टेट विजन को मिलेगी रफ्तार'रू'इस सत्र में चर्चा की गई कि एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, नीति सुधार और तेजी से हो रहा शहरी विस्तार किस तरह उत्तर प्रदेश को बड़े निवेश केंद्र में बदल रहे हैं। 'अफोर्डेबल से एस्पिरेशनल हाउसिंग तक, उत्तर प्रदेश की बढ़ती आवास जरूरतें'रू'इस चर्चा में हाउसिंग डिमांड और वैल्यू क्रिएशन के बीच संतुलन, टियर–2 और टियर–3 शहरों की बढ़ती भूमिका, पीएमएवाई आधारित विकास, रेरा के जरिए रेगुलेटरी पारदर्शिता और हाउसिंग सप्लाई में विविधता जैसे मुद्दों पर बात हुई।'एआई आधारित प्रॉपटेक,रियल एस्टेट सेक्टर में तकनीक का नया दौर'रू'इस सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लैंड रिकॉर्ड, जीआईएस, बीआईएम, डेटा एनालिटिक्स और स्मार्ट बिल्डिंग जैसी तकनीकों के जरिए रियल एस्टेट सेक्टर में प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और फैसले लेने की प्रक्रिया में हो रहे बदलावों पर चर्चा हुई।नेक्स्ट जनरेशन के लिए नए दौर के को–वर्किंग स्पेस'रू'इस चर्चा में हाइब्रिड वर्क कल्चर, एआई आधारित ऑफिस अनुभव, ईएसजी आधारित ऑफिस डेवलपमेंट, जीसीसी की बढ़ती मांग और कम्युनिटी आधारित को–वर्किंग स्पेस के बढ़ते महत्व पर विचार साझा किए गए।

समिट में इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स के डायरेक्टर जनरल राजीव कुमार सिंह ने कहा, "उत्तर प्रदेश में अब विकास केवल एनसीआर तक सीमित नहीं रहा है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और बेहतर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की वजह से राज्य के कई नए शहर और छोटे कस्बे विकास के नए केंद्र बनकर उभर रहे हैं। इससे रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को एक साथ बड़ा अवसर मिल रहा है। बेहतर गवर्नेंस, निवेशकों का बढ़ता भरोसा, नीति में स्थिरता और पूंजी सुरक्षा की वजह से यह सेक्टर अब अधिक स्थिर और विकास केंद्रित चरण में पहुंच चुका है। आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश अभूतपूर्व शहरी और आर्थिक विस्तार देखने के लिए तैयार है।" डॉ. बलकार सिंह ने कहा, "रियल एस्टेट और हाउसिंग किसी भी राज्य के आर्थिक विकास के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक हैं और आज उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में यह बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। बीते वर्षों में नीति सुधार, बेहतर कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे नेटवर्क का विस्तार, एयरपोर्ट विकास और रेरा जैसी संस्थाओं की मजबूत भूमिका ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। एनसीआर पहले ही बड़ा हाउसिंग डेस्टिनेशन बन चुका है, लेकिन अब राज्य टियर–2 और टियर–3 शहरों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप, नई हाउसिंग योजनाओं, इंडस्ट्रियल क्लस्टर और शहरी विस्तार के जरिए विकास को आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य केवल घर बनाना नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, कमर्शियल डेवलपमेंट और बेहतर शहरी सुविधाओं के जरिए माइग्रेशन का दबाव कम करना भी है। जेवर एयरपोर्ट, रीजनल कैपिटल जोन, कन्वेंशन सेंटर और नए शहरी विकास मॉडल जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ उत्तर प्रदेश संतुलित और विकेंद्रीकृत शहरी विकास के नए चरण में प्रवेश कर रहा है।" यूपी रेरा के चेयरमैन संजय आर. भूसरेड्डी ने कहा, "2023 के अंत में बाजार में आई तेजी के बाद उत्तर प्रदेश का रियल एस्टेट सेक्टर अब मजबूत विकास के दौर में पहुंच चुका है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे जैसे एनसीआर माइक्रो मार्केट्स में प्रॉपर्टी की कीमतों में अच्छी बढ़ोतरी और निवेशकों का नया भरोसा देखने को मिला है। आज यूपी रेरा देश के सबसे बड़े रियल एस्टेट इकोसिस्टम में से एक की निगरानी कर रहा है, जहां 3,000 से ज्यादा प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड हैं और हर साल निवेश लगातार बढ़ रहा है। केवल 2025 में ही प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन 3,000 के पार पहुंच गया, जबकि निवेश प्रतिबद्धताएं करीब 85,000 करोड़ रुपये तक पहुंचीं। आने वाले समय में यह आंकड़ा 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का लक्ष्य है। संस्थागत निवेशकों और दक्षिण भारत के डेवलपर्स की बढ़ती भागीदारी भी उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट बाजार में बढ़ते राष्ट्रीय भरोसे को दिखाती है।" समिट के दौरान हुई चर्चाओं में इस बात पर जोर दिया गया कि उत्तर प्रदेश अब केवल एनसीआर केंद्रित बाजार नहीं रह गया है, बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, सरकारी नीतियों, संस्थागत निवेश और बढ़ती शहरी आकांक्षाओं की वजह से यह एक मल्टी–सिटी ग्रोथ मॉडल के रूप में उभर रहा है। इंडस्ट्री लीडर्स ने कहा कि आने वाले समय में राज्य का विकास केवल हाउसिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रेजिडेंशियल, कमर्शियल, इंडस्ट्रियल, टेक्नोलॉजी और सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर को साथ लेकर इंटीग्रेटेड अर्बन इकोसिस्टम तैयार किए जाएंगे।

यूपी की यूनिवर्सिटी–कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू होगा

राज्यपाल बोलीं, स्टूडेंट्स के बीच भेदभाव कम होगा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को राजभवन में समीक्षा बैठक के दौरान ये फैसला लिया। उन्होंने कहा ड्रेस कोड लागू होने से छात्रों के बीच अमीरी–गरीबी या सामाजिक भेदभाव की भावना कम होगी। जब सभी छात्र एक जैसी ड्रेस में नजर आएंगे तो बराबरी का माहौल बनेगा। राज्यपाल ने लड़कियों–महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है। उन्होंने नए सेशन से कॉलेजों में रोजगार से जुड़े कोर्स शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राएं पढ़ाई के साथ–साथ स्किल डेवलप करें। इसके लिए ब्यूटीशियन ट्रेनिंग, मेहंदी, जीएसटी, अकाउंटिंग, बिंदी निर्माण और फूड प्रोडक्ट तैयार करने जैसे कोर्स शुरू किए जाएं। उन्होंने महिला कॉलेजों के हॉस्टलों की व्यवस्था बेहतर करने और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि छात्राओं को सही मार्गदर्शन मिलना चाहिए, ताकि वे गलत या असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें। इसके अलावा कॉलेजों में ऐसी समितियां बनाने के निर्देश दिए गए, जहां छात्राएं अपनी समस्याएं खुलकर रख सकें।

प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर ने सुसाइड किया,घर में लटका मिला शव

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी थाना क्षेत्र के बरगदताला इलाके में गुरुवार सुबह प्राइवेट स्कूल की महिला टीचर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान बरगदताला निवासी ब्रजपाल यादव की 23 वर्षीय बेटी शालिनी यादव के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, शालिनी अपने कमरे में थी। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर परिजनों को शक हुआ। अंदर देखने पर शालिनी का शव पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतका के पास से उसका मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शालिनी एक निजी विद्यालय में अध्यापिका थीं और उनका स्वभाव शांत बताया जा रहा था। परिवार पहले से ही सदमे में है, क्योंकि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व शालिनी के भाई रोहित ने भी बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। यह परिवार में दूसरी आत्महत्या की घटना है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एलडीए जनता अदालत में जमीन-आवास से जुड़े मामले आए

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में गुरुवार को जनता अदालत का आयोजन किया गया। प्राधिकरण अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जमीन, रजिस्ट्री और आवास से जुड़े कई मामले सामने आए। बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे और अफसरों से समाधान की मांग की। आजाद नगर योजना से जुड़े एक मामले में बुजुर्ग राम स्वरूप ने अधिकारियों को बताया कि उन्होंने वर्ष 2000 में शिवपाल नाम के व्यक्ति से भूखंड खरीदा था। योजना में कुल 31 भूखंड आवंटित हुए थे। उन्होंने बताया कि करीब एक लाख रुपये का पूरा भुगतान कर दिया था। रजिस्ट्री के लिए 5 हजार रुपये की पंजीकरण राशि भी जमा की थी, लेकिन 17 साल बीत जाने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी। अब एलडीए अधिकारी यह कह रहे हैं कि पंजीकरण राशि की रसीद गुम हो गई है।

जिस तरह बंगाल में दीदी साफ हुईं, उसी तरह यूपी में सपा साफ हो जाएगी : संजय निषाद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने आरक्षण के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। निषाद ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव पिछड़ों का हक मारकर मुगलों द्वारा लाए गए धर्म को आरक्षण देना चाहते हैं। निषाद ने जोर देते हुए कहा कि संविधान सभा ने भी ऐसा करने से मना कर दिया था। संजय निषाद ने कहा कि अखिलेश यादव की प्रेस कांफ्रेंस ने पीडीए के एजेंडे की पोल खोल दी है। पिछड़ों के अधिकारों पर डांका डालने का काम किया गया है। उन्होंने कहा, श्जब संविधान सभा की बैठक हुई और जब संविधान सभा में आरक्षण की बात आई, उस समय धर्म के आधार पर इसको देना मना कर दिया था क्योंकि जो भारतीय धर्म हैं भारतीय सभ्यता है, उस पर मुगलों ने आक्रमण किया। भारत के ऊपर अंग्रेजों ने आक्रमण किया। तो मुगलों के द्वारा लाए गए धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। भीम राव अंबेडकर ने भी इसका विरोध किया था। संजय निषाद ने सपा और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, 'इन लोगों ने जस्टिस रंगनाथ मिश्र कमेटी बनाकर ओबीसी आरक्षण में से हिस्सा काटकर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया था। आंध्र प्रदेश में इनकी दोस्त कांग्रेस ने मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण दिया। कर्नाटक में मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल कर पिछड़ों के अधिकारों को कमजोर किया। पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए निषाद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके वर्षों

तक पिछड़ों के हक पर डकैती डाली। कोलकाता हाई कोर्ट ने इस असंवैधानिक कदम को रद्द किया। जिस तरीके से वहां पिछड़ों के हक पर डकैती डाली गई। उनका आरक्षण मुसलमानों को दिया गया। वहां के लोग एक हुए और वहां की सरकार को हटा दिया। निषाद ने कहा ने आगे कहा, 'यहां पर (यूपी में) भी इंडी गठबंधन मुसलमानों की आवाज तो उठाता है, लेकिन देश को आजाद कराने वाली पिछड़ी और उजड़ी जातियों की आवाज नहीं उठाता। समाजवादी पार्टी का अगर यही रवैया रहा तो जिस तरीके से बंगाल में दीदी साफ हुईं, उसी तरीके सपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

योगी सरकार में नकल माफिया की कमर तोड़ दी गई, इसीलिए बौखलाए हैं अखिलेश : असीम अरुण

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के दो वरिष्ठ मंत्रियों स्वतंत्र देव सिंह और असीम अरुण ने

समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि सपा सरकार के दौरान भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातिवाद और पैसे के खेल का अड्डा बन चुकी थी। दोनों मंत्रियों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था स्थापित कर युवाओं का भरोसा लौटाया है, जबकि सपा शासन में नौकरी निकलते ही चाचा–भतीजा वसूली तंत्र सक्रिय हो जाता था। जल शक्ति विभाग के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में जब–जब नियुक्तियों और रोजगार के विज्ञापन निकलते थे, तब–तब चाचा–भतीजा लूट के लिए झोला लेकर निकल जाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय ट्रांसफर–पोस्टिंग से लेकर भर्ती तक हर जगह खुला रेट चलता था और बिना पैसे व सिफारिश के कोई काम नहीं होता था। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लगभग 9 लाख सरकारी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ हुई हैं। समाज के सभी वर्गों के युवाओं को अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि आज हर गांव में 4–5 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। न जातिवाद चला, न क्षेत्रवाद। केवल योग्यता के आधार पर चयन हुआ। स्वतंत्र देव सिंह ने आरोप लगाया कि सपा शासन में दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों को व्यवस्थित रूप से दबाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और लूट–खसोट उस सरकार की कार्यशैली का हिस्सा बन चुके थे। सपा सरकार में हर काम में भ्रष्टाचार था। जनता सब देख चुकी है और समझ चुकी है। समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने भी अखिलेश यादव की कथित पीडीए ऑडिट रिपोर्ट पर पलटवार करते हुए कहा कि जनता के पास सपा सरकार की असली ऑडिट रिपोर्ट पहले से मौजूद है।उन्होंने कहा कि 2004 से 2007 के बीच मुलायम सिंह यादव सरकार में पुलिस भर्ती घोटाला हुआ था, जिसमें व्यापक धांधली के आरोप लगे। असीम अरुण ने कहा कि मायावती सरकार बनने के बाद 50 से अधिक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया गया और पूरी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त करना पड़ा। बाद में सीबीआई ने मामले में चार्जशीट दाखिल की। उन्होंने कहा कि मायावती सरकार ने 2007 में पुलिस भर्ती की पारदर्शी व्यवस्था लागू की थी।

मौन का पहन आवरण

(छप्पय)

सबका बन आधार करे जो सेवा सबकी।
करो न अत्याचार समझकर उसको हलकी।
पर्वत का भी बोझ लिए काँधे पर अपने।
सागर को कर प्यार पूर्ण करती है सपने।
रे मानव! तजकर अहं पढ़ माटी के रूप को।
हरियाली के ही लिए सहती है जो धूप को।।

नदियों का संगीत मौन का पहन आवरण।
धरती से कर बात मृत्यु का लिखे व्याकरण।
पढ़कर भी इंसान विकासी घोड़ा चढ़ के।
हरियाली को रौंद मनाता खुशियाँ जम के।
दिल, दौलत की छाँव में सूरज को कह चंद्रमा।
जीता है वह ख्वाब में समझ अमा को अर्यमा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राशिद अली ने पुस्तकालय अध्यक्ष लाइब्रेरियन पद हेतु किया नामांकन

प्रयागराज। गुरुवार को ज़िला अधिवक्ता संघ प्रयागराज के चुनाव में पुस्तकालय अध्यक्ष लाइब्रेरियन पद हेतु एडवोकेट राशिद अली ने नामांकन किया। इस दौरान अधिकवक्ता की

टोली भारी तादाद में इकठ्ठा हुयी, फुल गजरा, माला एडवोकेट राशिद अली को पहनाया गया, उत्साह में दिखे अधिवक्ताओं ने जम कर नारे लगाये, भारी भीड़ के बिच मे राशिद अली ने नामांकनकिया और कहा पिछली बार कुछ वोटों के अंतर से रह गये थे अबकी बार मेरी जीत पक्की है नामांकन में आये सभी अधिवक्ताओं का शुक्रिया किया।

राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस से शिकायत, गृहमंत्री और आरएसएस को गद्दार कहने का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के हजरतगंज थाने में अखिल भारत हिंदू महासभा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दी है। उनका आरोप है राहुल गांधी ने अमेठी के एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस को गद्दार कहा था, जिससे करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। गुरुवार अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने हजरतगंज थाने में शिकायत दी। उन्होंने कहा कि 20 मई को दोपहर करीब 3 बजे टीवी न्यूज चौनल पर राहुल गांधी की अमेठी में चल रही सभा को देख रहे थे। जिसमें राहुल गांधी ने लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस को गद्दार कहा था। शिशिर चतुर्वेदी का कहना है प्रधानमंत्री गृहमंत्री और आरएसएस से जुड़े करोड़ों लोगों की भावनाओं को उनके भाषण से ठेस पहुंची है। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ ऐसी भाषा गैरमर्यादित और मानहानि के तहत आती है। उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ा व्यक्ति यह बर्दाश्त नहीं करेगा। मामले में हजरतगंज इंस्पेक्टर का कहना है तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर जांच की जाएगी। उसके आधार पर कार्रवाई होगी।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ पुलिस से शिकायत,कांग्रेसी थाने पहुंचे

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद लखनऊ में सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हुसैनगंज थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी और उनके परिवार को लेकर अभद्र व अपमानजनक बयान दिया। तहरीर में कहा गया है कि मंत्री ने गांधी परिवार की पीढ़ियों को गद्दार कहकर संबोधित किया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। कांग्रेस कार्यकर्ता नितांत सिंह उर्फ नितिन ने हुसैनगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित बयान से पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने बयान का वीडियो लिंक और अन्य साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है।

दोस्त ने बहाने से बुलाया, सीतापुर–कानपुर ले जाकर पीटा

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को अस्पताल ले जाने के बहाने अगवा कर बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों ने उसे स्कॉर्पियो में डालकर सीतापुर और फिर कानपुर ले जाकर मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की पहचान सरोजनी नगर के गंगानगर, अमौसी निवासी 24 वर्षीय गिरजेश सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से चालक है। गिरजेश ने बताया कि बुधवार, 20 मई को दोपहर करीब 12 बजे उसके दोस्त अक्षांश सिंह ने उसे मोबाइल पर कॉल कर अमौसी रेलवे स्टेशन के पास स्थित टीएस मिश्रा अस्पताल चलने को कहा। गिरजेश जब अक्षांश सिंह की कार में बैठा, तो उसमें अक्षांश का ममेरा भाई रणंजय प्रताप सिंह भी मौजूद था। दोनों उसे टीएस मिश्रा अस्पताल के बजाय चकौली स्थित आउटर रिंग रोड के पास ले गए। आरोप है कि वहां पहले से ही एक स्कॉर्पियो में संदीप सिंह चौहान, इशांत प्रताप सिंह सेंगर और यशस्वी ललित श्रीवास्तव उर्फ यश मौजूद थे। इन सभी ने मिलकर गिरजेश को जबरन स्कॉर्पियो में डाल लिया। उसकी आंखों पर पट्टी बांधी गई और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया। इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित गिरजेश का मोबाइल लेकर उसके घर के नंबर पर व्हाट्सएप कॉल की। आरोपियों ने पीड़ित के सिर पर पिस्टल तान कर कहा कि घर में बता दो एसटीएफ उठा ले गई है।

सम्पादकीय.....

सवालों से बचते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी छवि चमकाने के लिए चाहे कई करोड़ रूपए खर्च कर दें या प्रचार के नए तरीकों का सहारा लें, दुनिया उन्हें अब एक ऐसे कमजोर नेता के तौर पर देख रही है, जिसे सवालों से डर लगता है, जो सवाल सुनते ही मंच से चला जाता है। नॉर्वे में प्रधानमंत्री मोदी और नार्वेजियन प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त प्रेस बयान जारी किया, जिसके बाद वहां मौजूद पत्रकार हेले लिंग ने कहा कि श्प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया के सबसे आजाद प्रेस से कु छ सवाल क्यों नहीं ले रहे हैं?श लेकिन मोदी ने इसका कोई जवाब नहीं दिया और मंच से चले गए। पत्रकार लिंग ने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें इसकी उम्मीद थी। उन्होंने नॉर्वे को विश्व प्रेस स्वतंत्रता इंडेक्स में नंबर 1 और भारत के 157वें स्थान पर होने का जिक्र भी किया। लिंग के इस पोस्ट पर ढेर सारी टिप्पणियां आईं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी अपनी राय व्यक्त की थी कि जब कुछ छिपाने को नहीं है, तो डर कैसा। उन्होंने कहा कि इससे भारत की छवि पर असर पड़ता है। राहुल गांधी ने कुछ गलत नहीं कहा, क्योंकि मोदी मंच से उतरने की जगह रुकते और कहते कि पूछिए क्या सवाल हैं आपके, तो शायद उनकी मजबूत छवि नजर आती। लेकिन मंच से सिर झुका कर उतरते प्रधानमंत्री लाचार दिखे। ऐसे ही अमेरिका में पिछले साल राष्ट्रपति ट्रंप के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में नरेन्द्र मोदी से अडानी मसले पर सवाल पूछा गया था तो उन्होंने हाथ हिला–हिला कर भारत की वसुधैव कुटुंबकम परंपरा, लोकतंत्र आदि की बातें कर अपनी असहजता को ढंकने की असफल कोशिश की थी। अब लगातार दूसरे साल वैश्विक स्तर पर मोदी सवाल से बचते नजर आए। लेकिन यह मामला यहीं नहीं थमा। मोदी की छवि बचाने के फेर में विदेश मंत्रालय ने भी वही तरीका अपनाया जो मोदी ने अमेरिका में अपनाया था। दरअसल दोनों प्रधानमंत्रियों के संयुक्त प्रेस बयान के बाद विदेश मंत्रालय की प्रेस वार्ता हुई, जिसमें हेले लिंग ने विदेश मंत्रालय के सचिन सिबी जॉर्ज से पूछा कि दुनिया भारत पर भरोसा क्यों करे और क्या भारत में मानवाधिकार उल्लंघन बंद होंगे। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय मीडिया के कठिन सवालों का जवाब देना शुरू करेंगे। जिसके जवाब में सिबी जॉर्ज ने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि पांच हजार साल पुरानी निरंतर सभ्यता है। भारत ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है और कोरोना महामारी के समय भारत ने खुद को दुनिया से अलग नहीं किया, बल्कि जरूरतमंद देशों की मदद के लिए आगे आया। यही भरोसा दुनिया को भारत पर विश्वास दिलाता है। लेकिन जॉर्ज के जवाब देने के बीच में पत्रकार ने प्रतिप्रश्न करना चाहा तो सिबी जॉर्ज नाराज हो गए और कहा, कृपया मुझे बीच में मत टोकिए। सवाल पूछने वाला यह तय नहीं कर सकता कि जवाब किस तरीके से दिया जाए। इसके बाद सिबी जॉर्ज ने कहा कि भारत दुनिया की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा है, लेकिन दुनिया की समस्याओं का छठा हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान लोगों को मौलिक अधिकार देता है और देश में महिलाओं को बराबरी का अधिकार आजादी के वक्त से मिला हुआ है। जबकि कई देशों में महिलाओं को यह अधिकार दशकों बाद मिला। सिबी जॉर्ज ने कहा, श्हम समानता में विश्वास करते हैं, हम मानवाधिकारों में विश्वास करते हैं। अगर किसी के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो उसे अदालत जाने का अधिकार है। हमें अपने लोकतंत्र पर गर्व है।श सिबी जॉर्ज ने यह भी कहा कि कई लोग भारत की मीडिया का दायरा समझे बिना टिप्पणी कर देते हैं। दिल्ली में ही सैकड़ों समाचार चौनल हैं, जो अलग–अलग भाषाओं में लगातार खबरें दिखाते हैं। कुछ गैर–सरकारी संगठनों की रिपोर्ट पढ़कर लोग भारत पर सवाल उठाने लगते हैं, जबकि उन्हें भारत की वास्तविकता और उसके पैमाने की समझ नहीं है। प्रधानमंत्री का सवालों से बचना, मानवाधिकार उल्लंघन और भारत की साख पर किए गए सवालों के सीधे जवाब देने की जगह पांच हजार साल पुरानी सभ्यता, लोकतंत्र की प्राचीन जड़ें, महिलाओं के अधिकार, अदालत जाने का हक और मीडिया का दायरा जैसी अनावश्यक लफ्फाजी के बावजूद विदेश मंत्रालय मोदी की साख बचाने के उद्देश्य में नाकामयाब रहा और क्योंकि इस प्रकरण पर अब वैश्विक स्तर पर चर्चा हो रही है। मोदी समर्थक भले ही हेले लिंग को सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे केवल सवाल पूछने के पत्रकारिता के अधिकार और धर्म को ही निभा रही थीं, इसके अलावा उनका कोई और एजेंडा नहीं है। मोदी सवालों से बचे तो लोग अब इंदिरा गांधी और पं.नेहरू के पुराने साक्षात्कार निकाल कर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं, जिसमें वे विदेशी पत्रकारों के खुले सवालों का सामना शांति और गरिमा से कर रहे हैं।

सतीशन का मुख्यमंत्री बनना कांग्रेस में एकजुटता का परिचय

कल्याणी शंकर

केरल के मुख्यमंत्री के चयन के दौरान कांग्रेस पार्टी को अपने ही खेमे में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस प्रक्रिया में 11 दिन लगे और यह पार्टी के अलग–अलग गुटों के बीच मतभेदों को सुलझाने में अहम साबित हुई, जिससे एकता के लिए आपसी सहमति के महत्व का पता चलता है। के.सी. वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद वी.डी. सतीशन को चुना गया। प्रियंका और राहुल गांधी ने अपना फैसला लेते समय जनता की भावना का भी ध्यान रखा। चयन प्रक्रिया के दौरान अंदरूनी तनाव भी सामने आए, लेकिन आखिरकार वेणुगोपाल ने पार्टी के बड़े हित को देखते हुए सतीशन की नियुक्ति का समर्थन किया। कांग्रेस आलाकमान इस मामले पर बंटा हुआ था। सोनिया गांधी चेन्निथला के पक्ष में थीं, जबकि राहुल गांधी वेणुगोपाल का समर्थन कर रहे थे, और प्रियंका गांधी सतीशन को पसंद कर रही थीं। इससे पार्टी के आलाकमान के भीतर चल रहे आपसी मतभेद खुलकर सामने आ गए। इसके अलावा, कांग्रेस पर उसके सहयोगी दल – इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) – और जनता की भावना, दोनों की ओर से दबाव था। इन दोनों ही बातों का गांधी परिवार की छवि पर असर पड़ा। राहुल और प्रियंका गांधी ने इस स्थिति पर आपस में चर्चा की, लेकिन उनके बीच के मतभेद कांग्रेस कार्यालयों के बाहर और प्रियंका के वायनाड स्थित दफ्तर के बाहर लगे पोस्टरों में साफ दिखाई दे रहे थे। ऐसे ही एक पोस्टर पर लिखा था, श्मिस्टर राहुल, हो सकता है कि के.सी. आपका झोला उठाने वाले हों, लेकिन केरल की जनता आपको कभी माफ नहीं करेगी।श इस पोस्टर के जरिए राहुल द्वारा वेणुगोपाल को चुनने के फैसले पर अपनी नारा□ागी □ाहिर की गई थी। राहुल गांधी ने जनता की नब्ज टटोलकर और मुख्यमंत्री पद के दावेदारों– वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला– के साथ तालमेल बिठाकर केरल के मुख्यमंत्री के चयन में एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी के साथ लंबी बैठकें कीं, ताकि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के भीतर चुनाव के बाद पैदा हुए गतिरोध को दूर किया जा सके। आईयूएमएल ने वी.डी. सतीशन के धर्मनिरपेक्ष रवैये को देखते हुए मुख्यमंत्री पद के लिए उनका समर्थन किया। वेणुगोपाल ने राहुल और प्रियंका से दो घंटे से भी ज्यादा समय तक मुलाकात की और मुख्यमंत्री के तौर पर सतीशन की नियुक्ति के प्रति अपना समर्थन जहिर किया। हालांकि वेणुगोपाल खुद भी मुख्यमंत्री पद के एक मजबूत दावेदार थे, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का हित सबसे ऊपर होना चाहिए। सतीशन, जो छह बार विधायक रह चुके हैं और यूडीएफ के चुनाव प्रचार के नेता थे, ने यह वादा किया था कि अगर यूडीएफ केरल की 140 सीटों में से कम से कम 100 सीटें नहीं जीत पाती है, तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। आखिरकार, इस गठबंधन ने 102 सीटें जीतीं, जिसमें कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यह सतीशन के नेतृत्व पर लोगों के भरोसे को दिखाता है। वेणुगोपाल को राहुल गांधी का समर्थन मिलने में एक पेंच यह था कि विधायक बनने के लिए वेणुगोपाल को अपने सांसद पद से इस्तीफा देना पड़ता। जमीनी स्तर पर हुए विरोध प्रदर्शनों में सतीशन को ज्यादा समर्थन मिला, और वे पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी आवाज बनकर उभरे। एक दशक के बाद केरल में यूडीएफ की सत्ता में वापसी में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना के खिलाफ हुए इन जमीनी विरोध प्रदर्शनों ने कांग्रेस के भीतर की अंदरूनी फूट को उजागर कर दिया। सतीशन ने यह माना कि इन प्रदर्शनों का जनता की राय पर असर पड़ा। कांग्रेस पार्टी को इसमें भाजपा के एक मजबूत विकल्प के तौर पर खुद को पेश करने का एक अवसर नजर आता है। केरल की राजनीति में हलचल मचाने की सतीशन की क्षमता कई अहम बातों पर निर्भर करेगी। वे पार्टी के साथ मिलकर काम करेंगे, लेकिन पार्टी की सत्ता संरचना और पदक्रम भी काफी मायने रखते हैं। साल 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान, ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच पैदा हुई खाई ने कांग्रेस पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस खाई की वजह से कई लोगों ने पार्टी से दूरी बना ली, जिससे पिनाराई विजयन को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने में मदद मिली। केरल के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद, वीडी सतीशन के सामने तुरंत कई प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हैं, जिनमें गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ता कर्ज और राजस्व में भारी कमी शामिल हैं। इन समस्याओं को हल करने का उनका पक्का इरादा उनके नेतृत्व में लोगों का भरोसा जगा सकता है। उनके सामने सबसे पहली चुनौती मंत्रिमंडल का गठन करना है। इसमें कांग्रेस के भीतर के अलग–अलग गुटों को जगह देना, आईयूएमएल जैसे अहम सहयोगी दलों को संतुष्ट करना और पार्टी के भीतर किसी भी तरह की नाराजगी को पनपने से रोकना शामिल है। उन्होंने कांग्रेस के दस मंत्रियों और बाद में आईयूएमएल के पांच मंत्रियों के नामों की घोषणा की है। उन्हें भारी राजकोषीय घाटे और राज्य पर चढ़े भारी–भरकम कर्ज की समस्या से भी निपटना होगा, जिसके लिए उन्हें आर्थिक विकास को अपनी पहली प्राथमिकता बनानी होगी। उन्हें अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना होगा, बेरोजगारों को रोजगार देना होगा, अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़ी राजनीति को समझदारी से संभालना होगा, श्लीगश और श्जमात–ए–इस्लामीश के साथ संबंधों को लेकर भाजपा की आलोचनाओं का जवाब देना होगा, और साथ ही विरोधी राजनीतिक गुटों की साध्जिशों से बचते हुए पार्टी की एकता को भी बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि इस पूरी प्रक्रिया में सभी लोगों को शामिल किया जाए, और इस बात पर जोर दिया कि असहमति या विरोध का अधिकार लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है। जो लोग मुझे नापसंद करते हैं, जिन्होंने मेरा विरोध किया, और जिन्होंने मेरी आलोचना कीकृ उन सभी को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है, उन्होंने कहा। सतीशन के लिए मुस्लिम वोटों को एकजुट करने में जमात–ए–इस्लामी ने एक अहम भूमिका निभाई है। ऐसे सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाते हुए अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को बनाए रखना एक चुनौती भरा काम होगा। सतीशन के सामने एक और मुश्किल काम यह है कि वे जमात के हितों और उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वीकृसुन्नी सर्वोच्च संस्था समस्ताकृके हितों के बीच संतुलन कैसे बनाएं। समस्ता ने भी चुपचाप सतीशन का समर्थन किया है। सतीशन एक ऐसी विध्ाायी पार्टी का नेतृत्व करते हैं जिसमें कुछ ऐसे सदस्य भी शामिल हैं जिन्होंने उनका समर्थन नहीं किया था। उन्हें हिंदू मतदाताओं का समर्थन खोने का जोखिम हो सकता है, जो मुस्लिम समुदाय के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। यह स्थिति उन उदारवादी और सुधारवादी मुसलमानों के लिए भी चिंता का विषय है, जो इन बदलावों को लेकर आशंकित हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद, सतीशन ने इस जनादेश को एक सामूहिक उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया है। एक मजबूत टीम बनाने और केरल की राजनीतिक तथा वित्तीय चुनौतियों से निपटने में उनकी सफलता ही यह तय करेगी कि कैंटोनमेंट हाउस से क्लिफ हाउस तक का उनका यह सफर, उनके कॅरियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होता है या नहीं।

लो शुरू हो गया उनका असली कारोबार!

अरविन्द मोहन

सोलह मई को ठीक छह महीने हुए जब सरकार ने सबको बीमा, सबकी रक्षा जैसे आकर्षक नाम से बीमा व्यवसाय को शत–प्रतिशत विदेशी पूंजी के लिए खोलने का बिल पेश किया था। और इसी 16 मई को पहली बड़ी खबर आई कि भारतीय बीमा कंपनी भारती अक्सा ब्रिटिश कंपनी प्रूडेन्शियल के हवाले हो गई। मिल्कियत के साथ मैनेजमेंट भी उसके हाथ आ गया है। इस बदलाव की नींव पिछले साल के बजट से पड़ी थी और संसद के दोनों सदनों में भाजपा तथा एनडीए की जो स्थिति है उसमें इस बिल को पास कराने में सरकार को कोई दिक्कत नहीं हुई। और पिछली बार भारतीय मजदूर संघ समेत की मजदूर यूनियनों और राजनैतिक दलों की तरफ से विरोध का जो स्वर सुनाई दिया था इस बार कहीं से भी चूं की आवाज भी नहीं आई। इसे मामला सर्वसम्मति का नहीं मानना चाहिए लेकिन मोटे अर्थों में सभी दलों में इस पर सहमति है भी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय से बार–बार बीमा निजीकरण का सवाल उठता रहा है और इसमें निवेश की सीमा 26 फीसदी, 49 फीसदी और 75 फीसदी तक बढ़ाने के साथ प्रबंधन और मुनाफा बाहर ले जाने की इजाजत के सवाल पर भी सीमा बढ़ाने का धंधा जारी था। हां अभी तक एक ही मामले में सहमति नहीं बनी है कि बीमा प्रीमियम के पैसे विदेश जाने की अनुमति नहीं है। उदारीकरण की आर्थिक नीतियों पर हमारे राजनैतिक दलों में एक सर्वसम्मति सी बन गई थी और है भी पर बीमा के सवाल पर एक झिझक सी रही है। इसका कारण यह है कि राष्ट्रीयकरण के पहले देश में जो निजी बीमा कंपनियां थीं उनके काम को लेकर काफी शिकायतें थीं और उनका दायरा भी बहुत सीमित था। जब से सारी कंपनियों का राष्ट्रीयकरण हुआ था उसके बाद से बीमा का दायरा बढ़ा, क्लेम निपटान का रेट सुधारा, लोगों की शिकायतें कम हुईं और सबसे बढ़ाकर यह बात हुई कि प्रीमियम का पैसा सरकार के हाथ आया जिससे विकास की अनेक योजनाओं के लिए रेडी कैपिटल मिला। कई बार सरकारी निर्देश से बीमा कंपनियों की पूंजी का नाश भी हुआ लेकिन ऐसे अवसर कम आये। यूटीआई घोटाले में जरूर बीमा निगम की पूंजी के सहारे संकट निपटाया गया। और आज भी क्लेम निपटाने के मामले में हमारी पांचों सरकारी कंपनियां ही पहले पांच पायदानों पर हैं। निजी और विदेशी कंपनियों का नंबर इनके बाद ही आता है। कहना न होगा कि विदेशी कंपनियों की मजबूत लीगल टोलियां और चंट वकील गरीब ग्राहकों का क्लेम रोकने में सफल हो जाते हैं। अपने यहां बीमा के नाम पर उदारीकरण वाले दौर में जो श्घोटालेश हुए हैं वह भी कई बार राजनेताओं और उनसे भी बढ़कर ट्रेड यूनियन नेताओं को इसके खिलाफ पोजीशन लेने के लिए मजबूर करते हैं। बीते काफी समय से फसल बीमा और हेल्थ बीमा की चर्चा राजनीतिक हलके में ज्यादा रही है, अंडरराइटिंग क्या बला है या बड़े सौदे कैसे होते हैं यह तो ठीक से पता भी नहीं है। लेकिन जो फसल बीमा और स्वास्थ्य बीमा योजनाएं चली हैं उनका अनुभव यह रहा है कि जितनी रकम बीमा के प्रीमियम के रूप में दी जाती है उसका दस फीसदी भी भुगतान क्लेम के रूप में नहीं हुआ है और इस प्रीमियम की वसूली भी सिर्फ एक ग्राहक–सरकार से लेनी हो तो कंपनियों की पौ बारह हो जाती है। उल्लेखनीय है कि ऐसे सारे कार्यक्रमों में निजी बीमा कंपनियों को ही ज्यादा अवसर दिया गया है। और कई बार लगता है कि यह भ्रष्टाचार का एक नया अध्याय है जो उदारीकरण और बीमा निजीकरण के साथ आया है। और जब बीमा कंपनी और मंत्रीध सचिव में डील हो गई हो तो किसान हो या मरीज उस बेचारे की क्या औकात रह जाती है क्लेम लेने की। और जनता के कर का पैसा होने से शोर मचाने वाले भी सामने नहीं आते। अपने यहां क्लेम का मामला तब सामने आता है जब ग्राहक सीधे कंपनी को प्रीमियम देते हैं और उनको सेवा मिलने में या पालिसी मैच्योर होने पर पैसे वापस पाने में मुश्किल आती है। अपने यहां सबसे ज्यादा झमेला किसी और योजना में पालिसी देने का वायदा करके एजेंट कंपनी की सुविधा के अनुसार दूसरी योजना में पैसे डाल देने का है। ऐसा अक्सर बाजार में निवेश के म्यूचुअल फंड के खेल में किया जाता है और वहां जब पूंजी डूबती है तो ग्राहक का सिर कुचला जाता है। ऐसी शिकायतें आम हैं लेकिन उनका निपटारा ढंग से नहीं होता और शिकायतों का क्रम बढ़ता जा रहा है। सरकारों को बीमा व्यवसाय को विदेशी निवेश के लिए खोलने की जल्दबाजी तो रही है लेकिन ग्राहकों की शिकायत निपटाने का होश नहीं रहता। कंपनियां किन वायदों के साथ आती हैं और उनका काम किस दिशा में जाता है यह चेक करना तो सरकार अपनी जवाबदेही मानती ही नहीं, बीमा प्रोडक्ट की वेराइटी बढ़ाना और ग्राहकों के सामने नए विकल्प आना हुआ भी है या नहीं कोई नहीं देखता। देसी बीमा कंपनियों वाले दौर से आगे कितनी प्रगति हुई है सौ फीसदी मिल्कियत सौंपने से पहले इस पर विचार हुआ हो ऐसा नहीं लगता। लेकिन जिस चीज की असली चर्चा होनी चाहिए वह इन कंपनियों से मिलने वाले बीमा के दायरे का है। वह विदेशी नाम या बड़े ब्रांड का बीमा तो करेंगे लेकिन देसी और छोटे उद्यमियों के उत्पाद बीमा के दायरे से बाहर हो जाते हैं, इसे अभी सबसे अच्छी तरह बीमारी के इलाज के सिलसिले से समझा जा सकता है। नामी गिरामी प्राइवेट अस्पतालों और बीमा कंपनियों का गठजोड़ हम सबके अनुभव के दायरे की चीज है। कल को मकान, दूकान, फर्नीचर, बरतन–बासन और हर चीज के बीमा में यह भेद दिखेगा और लगेगा कि विदेशी बीमा कंपनियां कुछ खास संगी साथियों की मदद करने आई है–आम लोगों से उनका कोई मतलब नहीं है। पर इससे भी ज्यादा घातक बात निवेश वाली कंपनियों का चुनाव है जो बहुत स्पष्ट ढंग से पक्षपात बढ़ाती हैं। पैसा हमारा आपका और निवेश का फैसला इन कंपनियों के हाथ में जाने से कुछ कंपनियों की आश्चर्यजनक तेज वृद्धि का रहस्य समझा जा सकता है। सो वे तो शत–प्रतिशत विदेशी मिल्कियत के लिए बेचौन रही होंगी। हमारी सरकारें क्यों निरंतर उनका मिशन आगे बढ़ाने में लगी रही हैं यह समझना खास मुश्किल नहीं होना चाहिए।

इटली और भारतः इंडो–भूमध्यसागरीय क्षेत्र के लिए एक रणनीतिक सांझेदारी

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के सांझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक सांझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की सांझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस सांझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें। इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपर कम्प्यूटर तकनीक, जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है, को भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट–अप वाले उद्यमी ईकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह ऐसा सांझा मूल्य निर्माण है, जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक–दूसरे को और अधिक मजबूत बनाती हैं। यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि–खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। 'मेड इन इटली' हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है और आज इसका स्वाभाविक तालमेल 'मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी, जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, एक सकारात्मक संकेत है।

यह हमारी सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी सांझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) क्वांटम कम्प्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेजी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या, तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता, इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के बीच बढ़ती सांझेदारी भी इसे मजबूती देगी। भारत और इटली ए.आई. को समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम भी मानते हैं, खासकर ग्लोबल साऊथ के देशों के लिए। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आसान, बहुभाषी तकनीकों के जरिए ए.आई. सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है। भारत के मानव विजन, यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव–केंद्रित 'एल्गोर–एथिक्स' की अवधारणा, जो उसकी मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी सांझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बने। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को सांझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश ए.आई. का उपयोग कर उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित ए.आई. इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है।

हमारा सहयोग अंतरिक्ष क्षेत्र तक भी फैला हुआ है। अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। इटली और भारत रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तकनीकों जैसे क्षेत्रों में अपने सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध नैटवर्क, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती बढ़ाने में मदद करेगा। भारत और इटली नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हाइड्रोजन तकनीक तथा स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में साथ काम कर रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने की भारत की पहल अपार संभावनाएं रखती है। यह इटली की नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में उन्नत तकनीक और यूरोप के लिए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है। भारत और इटली दोनों वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2 महत्वपूर्ण क्षेत्रों, इंडो–पैसिफिक और भूमध्यसागर के केंद्र में स्थित हैं। अब इन क्षेत्रों को अलग–अलग नहीं, बल्कि आपस में जुड़े हुए क्षेत्रों के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, हम एक नए 'इंडो–मैडिटेरेनियन' क्षेत्र के उभरने को देख रहे हैं, जो व्यापार, तकनीक, ऊर्जा, डाटा और विचारों का एक महत्वपूर्ण गलियारा बन रहा है और हिंद महासागर को यूरोप से जोड़ता है। इसी आपस में जुड़े हुए क्षेत्र में हमारा संबंध स्वाभाविक रूप से एक विशेष रणनीतिक सांझेदारी के रूप में विकसित होता है। ऐसी सांझेदारी, जो 2 महाद्वीपों को जोड़ती और नई वैश्विक परिस्थितियों को आकार देती है। इस संदर्भ में भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा (आई.एम.ई.सी.) एक ऐसी दूरदर्शी योजना है, जिसका उद्देश्य आधुनिक परिवहन और बुनियादी ढांचे, डिजिटल नैटवर्क, ऊर्जा प्रणालियों और मजबूत सप्लाई चेन के माध्यम से हमारे क्षेत्रों को जोडना है। भारत और इटली अन्य सांझेदार देशों के साथ मिलकर इस दृष्टि को वास्तविकता में बदलने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

हम अपनी सांझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं।

भारतीय संस्कृति में 'धर्म' का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करना चाहिए। वहीं 'वसुधैव कुटुंबकम' अर्थात 'पूरी दुनिया एक परिवार है' का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में और भी अधिक प्रासंगिक लगता है। ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं। यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है। इसलिए हमारी सांझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए भारत–इटली सांझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है।

सास के ड्रग वाले आरोपों से टूटा ट्विशा शर्मा का परिवार, बोले-हमारी बेटी को ना करो बदनाम

मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा के माता–पिता ने, मंगलवार को उनकी सास के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि वह नशे की आदी थीं और मानसिक बीमारी से पीड़ित थीं। सेवानिवृत्त न्यायाधीश गिरिबाला सिंह के दावों को चरित्र हनन बताते हुए, नोएडा स्थित इस परिवार ने आरोपी पक्ष से ट्विशा की ससुराल में हुई मौत के बारे में जवाब मांगा। ट्विशा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में अपनी ससुराल में फंदे से लटकी मिली थीं। यह घटना दिसंबर 2025 में समर्थ से उनकी शादी के कुछ ही महीनों बाद हुई, जिनसे उनकी मुलाकात 2024 में एक डेटिंग ऐप पर हुई थी। एक स्थानीय अदालत ने सोमवार को ट्विशा के फरार वकील–पति, समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद भोपाल पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी की जानकारी देने वाले को 10,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की। अदालत के आदेश के बाद, गिरिबाला सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि ट्विशा मनोरोग संबंधी परामर्श ले रही थीं और ऐसी दवाएं खा रही थीं, जो आमतौर पर सिजोफ्रेनिया के मरीजों को दी जाती हैं। वीडियो से बात करते हुए, ट्विशा के पिता, नव निधि शर्मा ने कहा,–क्योंकि अब लड़की की मौत हो चुकी है, इसलिए उन्हें लगता है कि वे उसके खिलाफ कुछ भी कह सकते हैं और दोष दूसरों पर मढ़ सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आरोपियों को अदालत में अपने आरोपों को साबित करना होगा। नव निधि शर्मा ने कहा कि मृत महिला को सार्वजनिक रूप से बदनाम करना एक गंभीर अपराध है, और यह विशेष रूप से तब शर्मनाक है जब ऐसा कोई व्यक्ति कर रहा हो जिसने एक उच्च न्यायिक पद संभाला हो। अपनी बेटी को एक गतिशील, करियर–उन्मुख और उच्च शिक्षित महिला बताते हुए, उन्होंने सिजोफ्रेनिया के दावों का कड़ा खंडन किया। उन्होंने कहा–अगर मेरी बेटी सिजोफ्रेनिया से पीड़ित होती, तो गिरिबाला सिंह के बारे में क्या कहा जाना चाहिए, जिन्होंने अपने ही घर में इतनी अच्छी बेटी की जान ले ली? ट्विशा की मां, रेखा शर्मा ने उन आरोपों से इनकार किया कि उनका परिवार आर्थिक रूप से ट्विशा पर निर्भर था, या यह कि गिरिबाला सिंह ने पिछले पांच महीनों में उनकी बेटी को लगभग 8 लाख रुपये दिए थे और इसमें से 5 लाख रुपये उनके बेटे को हस्तांतरित किए गए थे। ट्विशा की मां ने कहा–हमारे

> “
> नव निधि शर्मा ने कहा कि मृत महिला को सार्वजनिक रूप से बदनाम करना एक गंभीर अपराध है, और यह विशेष रूप से तब शर्मनाक है जब ऐसा कोई व्यक्ति कर रहा हो जिसने एक उच्च न्यायिक पद संभाला हो। अपनी बेटी को एक गतिशील, करियर-उन्मुख और उच्च शिक्षित महिला बताते हुए।

पास पैसों की कभी कोई कमी नहीं थी। एकमात्र समस्या यह थी कि उसके ससुराल वाले उसके करियर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे । उन्होंने उन दावों को भी सिरे से खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने ट्विशा को बहुत कम उम्र में ही ग्लैमर इंडस्ट्री में धकेल दिया था और फिर उसे छोड़ दिया था। कथित दहेज हत्या की जांच कर रही विशेष जांच दल इस समय ट्विशा के फरार पति का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज, कॉल लॉग और डिजिटल फुटप्रिंट्स की जांच कर रही है। इस बीच, स्थानीय जांच में पक्षपात का आरोप लगाते हुए, ट्विशा के शोकाकुल परिवार ने माँग की है कि जांच को मध्य प्रदेश से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाए।

सैयारा के इंटेंस लवर बॉय से अब डांसिंग स्टार बनेंगे अहान पांडे

अली अब्बास जफर अली अब्बास जफर की अनटाइटल्ड फिल्म में पहली बार अहान को बड़े पर्दे पर फुल–ऑन डांस करते हुए दिखाया जाएगा। अब तक उनकी इमेज एक इंटेंस और इमोशनल लवर बॉय की रही है, खासकर (सैयारा) के बाद, लेकिन इस नए प्रोजेक्ट में उनका एक बिल्कुल अलग, स्टार–स्टाइल अवतार देखने को मिल सकता है। अहान पहले ही सोशल मीडिया पर अपने डांस वीडियोज की वजह से काफी वायरल हो चुके हैं। बहन (अलाना पांडे) की शादी में आईएम द बेस्ट और (अनन्या पांडे) के साथ सात समंदर पार पर उनके डांस क्लिप्स ने इंटरनेट पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। फैंस लंबे समय से उन्हें बड़े पर्दे पर गाते और डांस करते देखने की मांग कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह खास डांस नंबर यूके के मैनचेस्टर में शूट किया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस शूट में अहान को एक बड़े कमर्शियल हीरो की तरह प्रस्तुत किया जाएगा। बताया जा रहा है कि आदित्य चोपड़ा आदित्य चोपडा और अली अब्बास जफर उन्हें एक नए जनरेशन के एंटरटेनर स्टार के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार, गाने की कोरियोग्राफी भी बड़े स्तर पर प्लान की जा रही है और इसके लिए जल्द ही किसी बड़े कोरियोग्राफर को फाइनल किया जाएगा। मेकर्स का लक्ष्य ऐसा गाना तैयार करना है जिसके डांस स्टेप्स सोशल media पर वायरल हो जाएं।

शाहिद और कृति का `माशूका' बना समर का सबसे ग्लैमरस पार्टी एंथम, `कॉकटेल 2' का गाना रिलीज होते ही छाया

इस गर्मी सिर्फ धूप ही नहीं, बल्कि शाहिद कपूर और कृति सेनन का नया गाना "माशूका" भी लोगों का तापमान बढ़ाने आ गया है। मैडॉक फिल्म्स की अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' का यह नया ट्रैक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में दोनों स्टार्स की स्टाइलिश केमिस्ट्री, ग्लैमरस अंदाज और हाई–एनर्जी वाइब्स ने फैंस को पूरी तरह इंप्रेस कर दिया है। माशूका एक ऐसा समर ट्रैक है जिसमें मस्ती, फ्लर्ट और यंग लव की फील एक साथ देखने को मिलती है। गाने की बीट्स, हल्की–फुल्की नोकझोंक और विजुअल्स इसे एक परफेक्ट पार्टी एंथम बनाते हैं। शाहिद कपूर और कृति सेनन की ऑनस्क्रीन बॉन्डिंग इतनी फ्रेश और आकर्षक लग रही है कि फैंस इस जोड़ी को लगातार पसंद कर रहे हैं। यूनिवर्सल म्यूजिक के साथ बने इस गाने को प्रीतम ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। वहीं राघव चौतन्य, महमूद और रुआ काय की आवाज ने इस ट्रैक को और भी खास बना दिया है। खासतौर पर महमूद का इंटरनेशनल टच गाने को अलग लेवल की स्टाइलिश फील देता है। पूरे गाने में कृति सेनन बेहद ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका स्टाइल, एक्सप्रेशन और बेफिक्र एनर्जी हर फ्रेम में स्क्रीन पर छा जाती है। वहीं शाहिद कपूर भी अपने कूल और सहज अंदाज से गाने में चार चांद लगा रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। गाने को लेकर शाहिद कपूर ने कहा कि "'माशूका' का वाइब ऐसा है जो तुरंत आपको अपनी ओर खींच लेता है। कृति और मैंने शूटिंग के दौरान काफी मस्ती की क्योंकि यह गाना खुद को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेता। यह स्टाइलिश, खेल–खेल वाला और पूरी तरह फन एनर्जी से भरा हुआ है। कृति सेनन ने कहा कि यह गाना पूरी तरह अलग फील देता है। उनके मुताबिक, "यह ग्रूवी, फ्लर्टी और बेहद फ्रेश है। शूट के दौरान हमने इसे खूब एंजॉय किया और मुझे लगता है कि दर्शकों को इसकी एनर्जी और विजुअल्स दोनों बेहद पसंद आने वाले हैं। दमदार म्यूजिक, शानदार केमिस्ट्री और हाई–एनर्जी वाइब्स के साथ "माशूका" पहले ही फैंस की प्लेलिस्ट में जगह बना चुका है। अब दर्शकों को फिल्म 'कॉकटेल 2' का बेसब्री से इंतजार है, जो 19 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पंजाबी सिंगर इन्दर कौर की हत्या, एक तरफा प्यार में आशिक ने उठाया कदम...नहर में मिली लाश !

आए दिन कोई न कोई ऐसी वारदात होती रहती है जिसकी वजह से हर जगह दहशत फैल जाती है। दो दिन पहले ही नॉएडा में रहने वाली एक लड़की का ससुराल वालो ने मर्डर कर दिया। अब एक पंजाब से ऐसी खबर सामने आई है, जिसने सबके होश उड़ा दिए हैं। आपको बता दें कि पंजाब में रहने वाली पंजाबी सिंगर प्रकमत झंनत की हत्या कर दी गई है। सिंगर इन्दर कौर की उम्र 29 साल बताई जा रही है, इस वारदात के बाद हर किसी के मन में खौफ का साया है। बता दें कि सोमवार सुबह नीलो नहर से इन्दर कौर की लाश मिली। इस मामले पर इन्दर कौर के परिवार वालों ने बताया कि पिछले कुछ समय से मोगा का रहने वाला एक शादीशुदा व्यक्ति इन्दर के साथ शादी करने का दवाब बना रहा था। जब इन्दर ने शादी से मना कर दिया तो उसने ये खौफनाक कदम उठाया। इन्दर कौर के परिवार वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले तीन सालों से इंदर कौर की उस व्यक्ति से दोस्ती थी। दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर ही हुई थी, पहले तो सब सही चल रहा था लेकिन जब इन्दर को पता चला कि लड़का शादीशुदा है तो इन्दर ने आरोपी से दूरी बनानी शुरू कर दी। जब इन्दर ने उसके साथ शादी करने से मना कर दिया तो उसने ये सब खेल रचा। इस बात से नाराज होकर आरोपी इन्दर से बदला लेने के लिए नेपाल के रास्ते से नेपाल आ गया। इंदर कौर की हत्या अचानक नहीं हुई बल्कि उनको 6 दिन पहले ही अगवा कर लिया गया था। जानकारी के मुताबिक इंदर रात को 8 बजे के करीब गाड़ी में घर का सामान लेने के लिए बाजार गईं और फिर वापिस ही नहीं आई। वहां ही आरोपी ने बन्दूक की नौक पर इन्दर को किडनैप कर लिया था। इसके बाद सोमवार को नहर में इंदर कौर का शव बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार आरोपी वापिस नेपाल के रास्ते से ही वापिस चला गया है। पुलिस इस मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

पूजा हेगड़े और थलपति विजय का वीडियो बना इंटरनेट सनसनी, 20 करोड़ व्यूज पार!

बीस्ट' के अभिनेता थलपति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। और जब पहले चुनाव चल रहे थे, तब उनकी सह–अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने उनके साथ एक मजेदार बिहाइंड–द–सीन्स (बीटीएस) वीडियो साझा करके इंटरनेट पर सनसनी मचा दी थी, जिसमें उन्होंने चुनावों के दौरान उनकी जीत की भविष्यवाणी की थी। 5 मई को साझा किया गया यह वायरल वीडियो अब इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। इसे 20 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है और 1.06 करोड़ से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं, जिससे यह लाखों लोगों का दिल जीत रहा है। इससे पहले भी इस वीडियो ने केवल 18 घंटों में ही 65 लाख लाइक्स हासिल करके जबरदस्त चर्चा बटोरी थी। यह कोई हैरानी की बात नहीं है, क्योंकि पूजा हेगड़े सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीतने का कोई मौका नहीं छोड़तीं चाहे वह उनकी सहज तस्वीरें हों, फैशन से जुड़ी झलकियां हों या फिर दिलचस्प बिहाइंड–द–सीन्स वीडियो। इससे पहले भी उन्होंने 'रेट्रो' फिल्म के 'कनिमा' गाने के आकर्षक हुक स्टेप और 'कूली' के 'मोनिका' ट्रैक के जरिए खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब इन नए आंकड़ों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि पूजा का सोशल मीडिया प्रभाव पहले की तरह बेहद मजबूत बना हुआ है। उनका राज? अपने सहज और वास्तविक व्यक्तित्व से सीधे दर्शकों के दिलों में उतर जाना।

काम के मोर्चे पर, पूजा हेगड़े जल्द ही निर्देशक डेविड धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आने वाली हैं। वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ अभिनीत यह हल्की–फुल्की रोमांटिक कॉमेडी 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अभिनेत्री जल्द आने वाली तेलुगु फिल्म क्फ41 में दुलकर सलमान के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी। थलपति विजय के साथ आने वाली तमिल फिल्म जना नायकन के अलावा, पूजा के पास कंचना 4 भी आने वाली है।

समर टैनिंग से काले हुए पैरों को चमकाएं, ये होममेड पैक देगा पार्लर जैसा ग्लो

गर्मियों में हमारी स्किन को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। प्रदूषण, धूल, धूप और पसीने की वजह से न सिर्फ हमारे फेस की रंगत डल हो जाती है, बल्कि हाथ और पैरों का भी बुरा हाल होता है। चेहरे का तो हम सभी ध्यान रख लेते हैं। लेकिन अक्सर हम पैरों की देखभाल करना नजरअंदाज कर देते हैं। जिसकी वजह से पैर काले और रूखे नजर आते हैं। हालांकि कई लोग पार्लर जाकर महंगे पैडीक्योर कराते हैं। लेकिन कई बार इतना खर्च करना मुश्किल लगता है।

ऐसे में आप चाहें तो घर पर ही पेडिक्योर पैक बना सकती हैं और पैरों की टैनिंग को कम कर सकती हैं। इसमें इस्तेमाल होने वाली चीजें घर पर ही मिल जाएंगी। वहीं यह चीजें स्किन के लिए भी सेफ होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पैरों की टैनिंग दूर करने के लिए घर पर होममेड पैडिक्योर कैसे बनाएं।

होममेड पेडघ्क्योर पेस्ट

दही – 2 चम्मच दही

बेसन – 1 चम्मच बेसन

आधा चम्मच हल्दी

नींबू का रस – 1 चम्मच

ऐसे बनाएं ये पैक

सबसे पहले एक बाउल में दही लें।

फिर इसमें हल्दी और बेसन डालकर मिक्स करें।

अब नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं।

इन सभी चीजों को मिक्स करके एक स्मूथ पेस्ट बनकर तैयार हो जाएगा।

जानें इस्तेमाल का तरीका

सबसे पहले पैरों को अच्छे से साफ धोएं।

फिर इस पेस्ट को पैरों पर अच्छे से लगाएं।

खासकर टैनिंग वाली जगहों पर इस पैक का थोड़ा मोटा लेयर लगाएं।

इसको 15 से 20 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

फिर हल्के हाथों से रगड़ते हुए पैरों को धो लें।

अगर आप नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करेंगी तो कुछ ही दिनों में आपको फर्क देखने को मिलेगा। आपके पैर बेहद खूबसूरत नजर आने लगेंगे। दरअसल इस पेस्ट में इस्तेमाल होने वाले दही से डेड स्किन हटती है। बेसन से हमारी स्किन साफ होती है। वहीं, हल्दी स्किन की रंगत निखारने का काम करता है और नींबू से टैनिंग को कम किया जा सकता है।

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

नींबू लगाने के फौरन बाद धूप में नहीं जाना चाहिए।

सप्ताह में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल करें।

रोजाना बाहर से आने के बाद पैरों को जरूर ध ोना चाहिए।

सप्ताह में एक बार स्क्रब जरूर करें।

पैरों को मॉइस्चराइज करना नहीं भूलना चाहिए।

सप्ताह में एक दिन गुनगुने पानी में नींबू डालकर थोड़ी देर उसमें पैरों को रखें।

गर्मियों में पेट की हर परेशानी का देसी इलाज छिपा है इस फल में, जानकर रह जाएंगे हैरान

गर्मी का मौसम शुरू होते ही कई लोगों को पेट से जुड़ी परेशानियां सताने लगती हैं। किसी को गैस, किसी को अपच, तो किसी को बार–बार दस्त या पेट दर्द की समस्या होने लगती है। बढ़ती गर्मी और गलत खानपान का असर सबसे पहले पाचन तंत्र पर पड़ता है। ऐसे में लोग राहत पाने के लिए तरह–तरह के ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते हैं, लेकिन आयुर्वेद में एक ऐसा देसी फल बताया गया है जिसे

पेट का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है ठंमस थ्तनपज यानी बेल। बेल का इस्तेमाल सदियों से गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने और पेट को स्वस्थ रखने के लिए किया जाता रहा है। यही वजह है कि गांवों से लेकर शहरों तक आज भी बेल का शरबत गर्मियों का पसंदीदा देसी ड्रिंक माना जाता है।

आयुर्वेद में क्यों खास माना जाता है बेल?

आयुर्वेद के अनुसार बेल सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि कई समस्याओं का प्राकृतिक उपाय माना जाता है। माना जाता है कि यह फल भगवान शिव को भी बेहद प्रिय है। योग गुरु Swami Ramdev भी बेल को पेट और पाचन के लिए बेहद फायदेमंद बताते हैं। बेल में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। अगर किसी को कब्ज, गैस, पेट फूलना या एसिडिटी जैसी परेशानी रहती है, तो बेल का सेवन काफी राहत पहुंचा सकता है। इसकी तासीर ठंडी मानी जाती है, इसलिए यह शरीर को अंदर से ठंडक देने का काम भी करता है।

दस्त और पेट खराब होने में भी फायदेमंद माना जाता है बेल

बेल की खास बात यह है कि इसका कच्चा और पका हुआ दोनों रूप अलग–अलग तरह से इस्तेमाल किया जाता है। कच्चा बेल अक्सर दस्त और पेट खराब होने की समस्या में उपयोग किया जाता है। कई लोग इसका पाउडर बनाकर भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं पका हुआ बेल सीधे फल की तरह खाया जाता है या फिर उसका शरबत बनाकर पिया जाता है। माना जाता है कि यह आंतों को मजबूत बनाने और पेट को शांत रखने में मदद करता है। यही वजह है कि आज भी कई घरों में पेट खराब होने पर बेल को घरेलू नुस्खे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

बेल कैंडी और मुरब्बा भी हैं फायदेमंद

आजकल बाजार में बेल से बने कई प्रोडक्ट्स भी आसानी से मिल जाते हैं। बेल कैंडी और बेल मुरब्बा उनमें सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। बेल कैंडी दरअसल बेल के छोटे–छोटे मीठे टुकड़े होते हैं, जिन्हें सुखाकर तैयार किया जाता है। इसे खाने से पाचन बेहतर रहता है और पेट की जलन, एसिडिटी व अपच जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। वहीं बेल मुरब्बा भी कब्ज और पेट की गड़बड़ी में मददगार माना जाता है। हालांकि इनका सेवन हमेशा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए।

शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करता है बेल

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी और थकान महसूस होना आम बात है। ऐसे में बेल का सेवन शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। बेल में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिनमें विटामिन ए, बी और सी के अलावा आयरन और पोटैशियम शामिल हैं। ये पोषक तत्व शरीर की कमजोरी दूर करने, इम्यूनिटी बढ़ाने और गर्मी से होने वाली थकान कम करने में मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि पुराने समय से लोग गर्मियों में बेल का शरबत पीना पसंद करते आ रहे हैं।

पेट के लिए जीरा, अजवाइन और सौंफ भी हैं फायदेमंद

बेल के अलावा कुछ घरेलू मसाले भी पेट की समस्याओं में राहत देने का काम करते हैं। जीरा, अजवाइन और सौंफ जैसी चीजें गैस, सूजन, कब्ज और आईबीएस जैसी समस्याओं में मददगार मानी जाती हैं। इनका सही मात्रा में सेवन पाचन को बेहतर बनाने और पेट को हल्का महसूस कराने में मदद कर सकता है। कई लोग गर्मियों में बेल के साथ इन चीजों को भी अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं।

बेल का सेवन कैसे करें?

गर्मियों में बेल का सबसे लोकप्रिय रूप उसका शरबत है। इसे बनाने के लिए पके हुए बेल का गूदा निकालकर पानी में मिलाया जाता है। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ा गुड़ या शहद भी मिलाया जा सकता है। आयुर्वेद के जानकार मानते हैं कि बेल का शरबत सुबह या दोपहर में पीना ज्यादा फायदेमंद रहता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है और पेट भी शांत रहता है। हालांकि किसी भी चीज की तरह बेल का जरूरत से ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए।

सेवन से पहले इन बातों का रखें ध्यान

अगर किसी व्यक्ति को पहले से कोई गंभीर बीमारी है या वह किसी खास दवा का सेवन कर रहा है, तो बेल को नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है। हालांकि, सही मात्रा में सेवन किया जाए तो बेल आज भी गर्मियों में पेट और शरीर दोनों को राहत देने वाला एक भरोसेमंद देसी फल माना जाता है।

जेब में हैं सिर्फ 5000? मई में घूम आएं ऋषिकेश से कसौल जैसी शानदार जगहें

कई बार यात्रा करना महंगा पड़ जाता है, जब आपके पास बजट नहीं होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी अच्छी जगह घूम–फिर नहीं पाएंगे। ऐसे में अगर आप मई के महीने में किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो अच्छी भी हो और ज्यादा खर्च भी न आए। वैसे तो भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जहां पर आप मस्ती से भरी ट्रिप का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। वहीं भी सिर्फ 500 रुपए में।

बता दें कि भारत में बहुत से पॉपुलर डेस्टिनेशन हैं, जो लोगों को काफी महंगे लगते हैं। लेकिन असल में यह जगहें बजट को ध्यान में रखकर ट्रिप करने वालों के लिए बेस्ट हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप बजट में वीकेंड एंजॉय कर सकते हैं।

बिनसर

उत्तराखंड की कुमाऊं पहाड़ियों पर बसा एक छोटा सा गांव बिनसर घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ सफारी का ट्रिप कर सकते हैं। वहीं पहाड़ियों से घिरे इस गांव में आप सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

यहां पर जाने का सबसे अच्छा और सस्ता तरीका बस है। यहां पहुंचने के लिए आपको अल्मोड़ा या नैनीताल से बस बदलनी होगी। बस का एक तरफ का कुल किराया करीब 1000–1500 के आसपास है। वहीं यहां पर खाने और रहने का खर्च 1000–2000 रुपए के बीच आ सकता है।

वाराणसी

दुनिया का सबसे पॉपुलर शहर वाराणसी दुनिया के फेमस पर्यटक स्थलों में से एक है। वाराणसी में आप घाट पर आरती का अनुभव ले सकते हैं। वहीं आप वाराणसी में काशी विश्वनाथ के अलावा अन्य कई फेमस मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

आप ट्रेन के जरिए सस्ते में वाराणसी पहुंच सकते हैं। एक तरफ की यात्रा का टिकट 420 रुपए से शुरू होता है। यहां पर स्टे के लिए आपको कई हॉस्टल आसानी से मिल जाएंगे। एक रात स्टे का किराया 150 रुपए है। यहां पर रुकने, खाने और घूमने का कुल खर्च 200 से 1000 रुपए प्रति व्यक्ति आ सकता है।

कसौल

आप कसौल की प्राकृतिक सुंदरता को नजदीक से महसूस करने के लिए यहां आ सकते हैं। कसौल ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए फेमस है। मार्च से जून तक के महीने में दुनियाभर से लोग कसौल घूमने के लिए आते हैं। इस दौरान यहां का मौसम सुहावना होता है।

ऐसे पहुंचे

आप दिल्ली से बस करके कुल्लू आ जाएं। फिर यहां से टैक्सी या कैब से कसौल पहुंच सकते हैं। कसौल पहुंचने के लिए बस का एक तरफ का किराया 800 रुपए के आसपास है।

उदयपुर

झीलों और महलों का शहर उदयपुर काफी खूबसूरत है। हालांकि घूमने और देखने के लिहाज से यह शहर थोड़ा महंगा है। लेकिन अगर आप अपने बजट में यहां की ट्रिप प्लान करना चाहते हैं, तो यह मुश्किल नहीं है।

ऐसे पहुंचे

बता दें कि दिल्ली से उदयपुर की ट्रेन का किराया करीब 400 रुपए प्रति व्यक्ति है। यहां स्टे के लिए आप हॉस्टल देख सकते हैं। उदयपुर में एक दिन रहने, खाने और घूमने आदि का कुल खर्च 800 से 3000 रुपए प्रति व्यक्ति आ सकता है।

ऋषिकेश

ऋषिकेश राफ्टिंग के लिए फेमस है और यह एडवेंचर लवर्स के लिए काफी अच्छी जगह मानी जाती है। अगर आप बजट में इस खूबसूरत शहर को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको सस्ती यात्रा के लिए बस से टिकट बुक कराना चाहिए।

ऐसे पहुंचे

ऋषिकेश आने के लिए पहले आपको हरिद्वार आना होगा। फिर यहां से शेयरिंग में आटो या बस की सुविधा मिल जाएगी। बस का टिकट 200 रुपए से शुरू होकर 1400 रुपए तक हो सकता है। यहां पर स्टे के लिए होटल से अच्छा है कि आप एक कमरा किराए पर ले लें। जिसका किराया मात्र 150 रुपए से शुरू होता है।

लैंसडाउन

आपको जानकर हैरानी होगी कि आप अपने बजट में रहकर पूरा लैंसडाउन एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह देश के सबसे संरक्षित हिल स्टेशनों में से एक है।

ऐसे पहुंचे

दिल्ली से 250 किमी दूर लैंसडाउन पहुंचने के लिए सबसे सस्ता ऑप्शन बस है। यहां से आपको कोटद्वार की बस लेनी है। कोटद्वार से लैंसडाउन की दूरी करीब 50 किमी है। फिर आप लोकल बस के जरिए लैंसडाउन जा सकते हैं। लैंसडाउन में स्टे, घूमने और खाने का कुल खर्च 1500–2000 रुपए तक आएगा।

संक्षिप्त

मुंबई इंडियंस के लिए वापसी करने वाले हार्दिक पांड्या पर चला बीसीसीआई का हंटर, इस गुनाह की मिली बड़ी सजा

कोलकाता, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर आईपीएल 2026 में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान गुस्से में विकेट की गिल्लियां जोर से गिराना उन्हें भारी पड़ गया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार हार्दिक पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। ह घटना दूसरी पारी के 10वें ओवर की चौथी गेंद के बाद हुई। हार्दिक पांड्या अपने रन–अप की ओर लौट रहे थे, तभी उन्होंने गुस्से में विकेट की गिल्लियों को जोर से गिरा दिया। आईपीएल ने अपने बयान में कहा, श्हार्दिक पांड्या आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन के दोषी पाए गए, जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, ग्राउंड इक्विपमेंट या फिटिंग्स के दुरुपयोग से संबंधित है। आईपीएल के मुताबिक, हार्दिक पांड्या ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दी गई सजा को मान लिया है। नियमों के अनुसार, अगर किसी खिलाड़ी के चार से सात डिमेरिट प्वाइंट हो जाते हैं तो उसे एक मैच के लिए निलंबित किया जा सकता है। ऐसे में हार्दिक को आगे ध्यान रखना होगा। मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। पांच बार की चौंपियन टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। कोलकाता के खिलाफ मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 रन बनाए थे, लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स ने लक्ष्य को सात गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। हार्दिक पांड्या इस मैच में गेंद से भी प्रभाव नहीं छोड़ सके और दो ओवर में 13 रन देकर कोई विकेट हासिल नहीं कर पाए। अब मुंबई इंडियंस अपना आखिरी लीग मुकाबला रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगी।

घरेलू शेयर बाजार में बढ़तय सेंसेक्स 229 अंक चढ़ा, निफ्टी 23700 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संघर्ष के जल्द समाप्त होने की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों में आई तेजी के कारण गुरुवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इक्विटी सूचकांकों में तेजी देखी गई।

कारोबार के दौरान 10रू 35 बजे तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 228.60 अंक या 0.30ः चढ़कर 75,546.99 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 105.45 अंक या 0.45ः बढ़कर 23,764.45 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 327.74 अंक चढ़कर 75,646.13 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 111.75 अंक बढ़कर 23,772.05 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से इंटरग्लोब एविएशन, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो और इटरनल प्रमुख विजेताओं में शामिल थीं। पिछड़ने वाली कंपनियों में ट्रेंट, इंफोसिस, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व शामिल थीं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक मामूली रूप से नीचे था। कोस्पी में सात प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार काफी तेजी के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि आज सुबह ब्रेंट क्रूड का घटकर 106 अमेरिकी डॉलर होना एक सकारात्मक संकेत है। शायद बाजार राष्ट्रपति ट्रम्प के इस बयान से संकेत ले रहा है कि श्संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा और तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी।

निवेश को संसदीय समिति ने बताया चिंताजनक, देश से बाहर जा रहे पैसे पर सख्त टैक्स की वकालत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (वीडीए) यानी क्रिप्टोकरेंसी में हो रहे भारी–भरकम निवेश को लेकर संसदीय समिति ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। बुधवार को वित्त पर संसदीय स्थायी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें डिजिटल संपत्तियों में देश से बाहर जा रहे हजारों करोड़ रुपयों के निवेश को श्चिंताजनकश (अलार्मिंग) करार दिया गया। समिति ने इस बात पर जोर दिया है कि जब तक भारत में क्रिप्टो को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं बनता, तब तक इन सभी डिजिटल लेन–देन पर सख्त टैक्स व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। भाजपा सांसद भतृहरि महताब की अध्यक्षता वाली इस स्थायी समिति ने वीडीए के विषय पर विस्तृत चर्चा की। महताब ने बताया कि भारत से हजारों करोड़ रुपये वर्चुअल डिजिटल एसेट्स में निवेश किए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर देश से बाहर जा रहे हैं। इस जटिल मुद्दे को समझने के लिए समिति ने न केवल भारत में पंजीकृत और संचालित हो रहे क्रिप्टो स्टेकहोल्डर्स की प्रस्तुतियां देखीं, बल्कि कराधान (टैक्सेशन) के मुद्दे पर राजस्व सचिव, आयकर विभाग और कॉरपोरेट मामलों के सचिव को भी तलब किया। महताब ने स्पष्ट किया कि चूंकि कुछ संगठन सिंगापुर जैसे देशों में स्थित हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि जो भी पैसा वहां निवेश हो रहा है और जो कमाई हो रही है, उस पर भारत के भीतर ही टैक्स लगे। रेगुलेटेड मॉडलरू अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे देशों ने वीडीए को विनियमित (रेगुलेट) किया है। बैन मॉडल : चीन जैसे देशों ने क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है।

लिटन दास और पाक के रिजवान भिड़े!

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज, कहा- ओवर-एक्टिंग के 50 पैसे काट

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2–0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे। आइए पूरा मामला जानते हैं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई। तब पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 259 रन था। पाकिस्तान की दूसरी पारी के 72वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे। चौथी गेंद पर जब तैजुल ने अपना रनअप लिया तो रिजवान क्रीज से हट गए और साइट स्क्रीन की ओर इशारा करने लगे। तब रिजवान के साथ सलमान आगा क्रीज पर थे। जैसे ही रिजवान ने साइट स्क्रीन की ओर इशारा किया, विकेटकीपिंग कर रहे लिटन भड़क गए।

लिटन और रिजवान की बातचीत

फिर लिटन ने रिजवान से कहा– क्या हुआ? ये क्या कर रहे हो?

इस पर रिजवान ने कहा– कोई खड़ा है साइट स्क्रीन के पास।

फिर लिटन ने कहा– कहां खड़ा है? रिजवान ने कहा– वो ऊपर।

फिर लिटन ने कहा– मैं हर बॉल पर तुम्हें ऐसा करते देख रहा हूं। हर बॉल पर। कल भी यही कर रहे थे तुम।

रिजवान ने कहा– कोई वहां खड़ा है तो मैं क्या करूं। तो लिटन ने कहा– हर बॉल से पहले उधर क्या देख रहे हो। अपनी बैटिंग पर ध्यान लगाओ।

फिर रिजवान ने कहा– ये तेरा काम है? तो लिटन ने पूछा– क्या मेरा काम है?

रिजवान ने कहा– ये तेरा काम है, मेरा काम है या अंपायर का काम है? तो लिटन ने कहा– तो आउट हो जाओ या फिर ध्यान लगाकर खेलो।

इसके बाद काफी देर तक दोनों बहस करते दिखे। फिर रिजवान अंपायर के पास पहुंचकर उनसे शिकायत करते दिखे।

अंपायर ने बीच बचाव करते हुए रिजवान और फिर लिटन को कुछ समझाया। इसके बाद रिजवान फिर से स्टांस लेने के लिए खड़े हुए।

इस पर रिजवान ने कहा– देखो यार तुम कप्तान हो, इसलिए इज्जत कर रहा हूं। तुम भी मेरी इज्जत करो।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया स्लेज

इस घटना के बाद तो पूरी बांग्लादेशी टीम रिजवान को स्लेज करने लगी। बांग्लादेशी खिलाड़ी ज्यादा आक्रामक नजर आए और रिजवान को खूब स्लेज किया।

जैसे ही तैजुल ने ओवर की पांचवीं गेंद डाली, स्टंप माइक पर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा– थोड़ा रन कर लिया है, अभी एक्टिंग चालू हो जाएगा।

फिर दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा– बहुत ज्यादा एक्टिंग हो रही है, बहुत ज्यादा एक्टिंग।

तैजुल की आखिरी गेंद से पहले रिजवान का ध्यान भंग हुआ और वह फिर से क्रीज से हट गए।

इसके बाद ओवर की आखिरी गेंद पर रिजवान ने एक रन लिया। बांग्लादेशी खिलाड़ी यहां भी नहीं रुके।

किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने रिजवान को स्लेज करते हुए कहा– चलो भाई, बॉलीवुड में जगह मिल जाएगी इसे।

तो इस पर एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा– नहीं भाई। उधर इसे जगह नहीं मिलेगी। इतना सुनते ही रिजवान फिर अंपायर के पास पहुंचकर शिकायत करते दिखे।

फिर किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा– इस ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। 50 पैसे।

एक और बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा– एक हफ्ते बाद इसकी ट्रेनिंग है भाई बॉलीवुड में। चलो. .चलो अच्छी एक्टिंग कर रहा है, सबको सिखा रहा है।

इसके बाद फिर किसी बांग्लादेशी क्रिकेटर ने कहा– इसकी ओवरएक्टिंग के लिए हम 50 पैसे काटेंगे। सबको पता है, सबको पता है। टीम में अभी जगह पक्का है, इसलिए ज्यादा बात कर रहा है।

तभी स्क्रीन पर बाबर को दिखाया गया और वह च्यूइंग चबाते दिखे। बाबर ने 47 रन की पारी खेली।

सोशल मीडिया पर खूब उड़ा रिजवान का मजाक

इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है और लोग रिजवान की खूब खिल्ली उड़ा रहे हैं। पाकिस्तान की टीम 437 रन चेज करते हुए 358 रन पर ऑलआउट हो गई। रिजवान ने 94 रन की पारी खेली, जबकि आगा ने 71 रन बनाए। इन दोनों के बीच 134 रन की साझेदारी हुई, लेकिन यह काफी नहीं था। सोशल मीडिया यूजर्स भी रिजवान की एक्टिंग को लेकर खिल्ली उड़ाते रहे हैं। दरअसल, कई मैचों में देखा गया है कि रिजवान अर्धशतक लगाने के बाद या तो पैर में चोट या मोच या फिर शरीर में किसी चोट के बहाने बताते रहे हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस पर भी सवाल उठे हैं। बांग्लादेशी खिलाड़ियों का स्लेज इसी को लेकर था। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को क्लीन स्वीप कर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप की तालिका में खुद को पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, पाकिस्तान की टीम आठवें स्थान पर लुढ़क गई। भारत छठे स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस ने बनाया अनचाहा रिकॉर्ड, लगातार 3 मैचों में उतारे तीन कप्तान, ऐसा करने वाली दूसरी टीम

कोलकाता, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबला सिर्फ हार–जीत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टीम के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में उतरी मुंबई इंडियंस लगातार तीन मैचों में तीसरे अलग कप्तान के साथ मैदान पर पहुंची। इससे पहले टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह कर चुके थे। हार्दिक पांड्या चोट के कारण शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं थे। मुंबई इंडियंस आईपीएल इतिहास की दूसरी टीम बन गई है जिसने लगातार तीन मैचों में तीन अलग–अलग कप्तानों का इस्तेमाल किया। इससे पहले पुणे वॉरियर्स इंडिया ने रॉस टेलर, एंजेलो मैथ्यूज और एरॉन फिंच को लगातार 3 मैचों में कप्तान बनाया था।

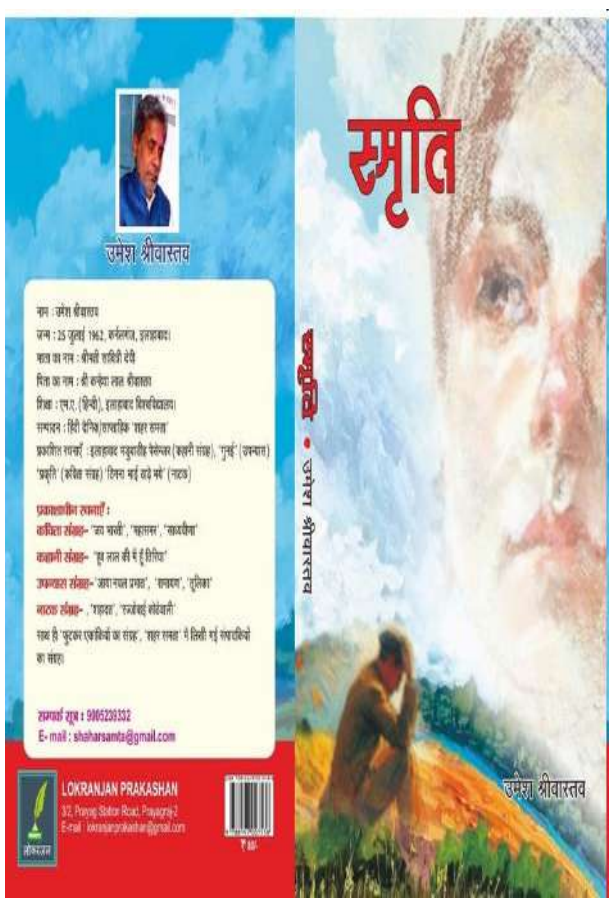

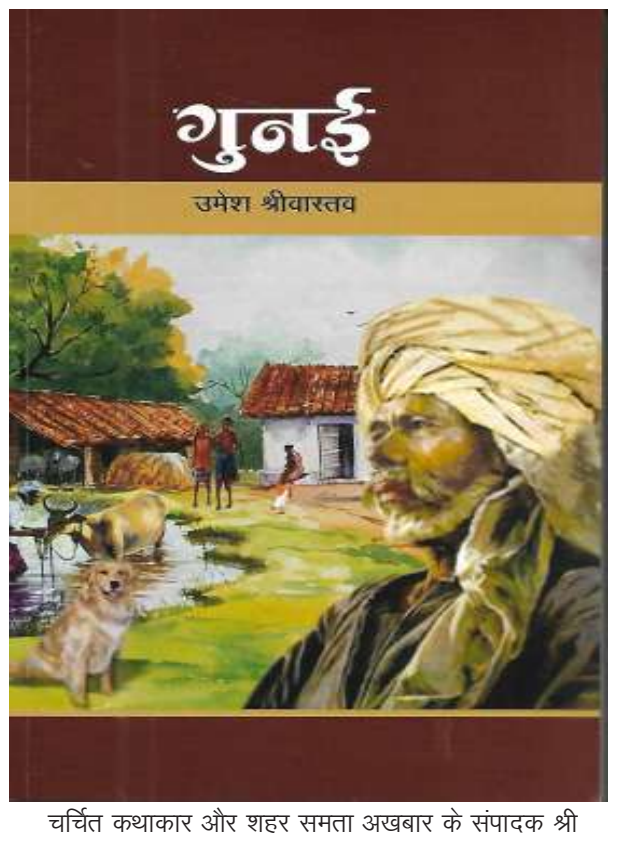

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

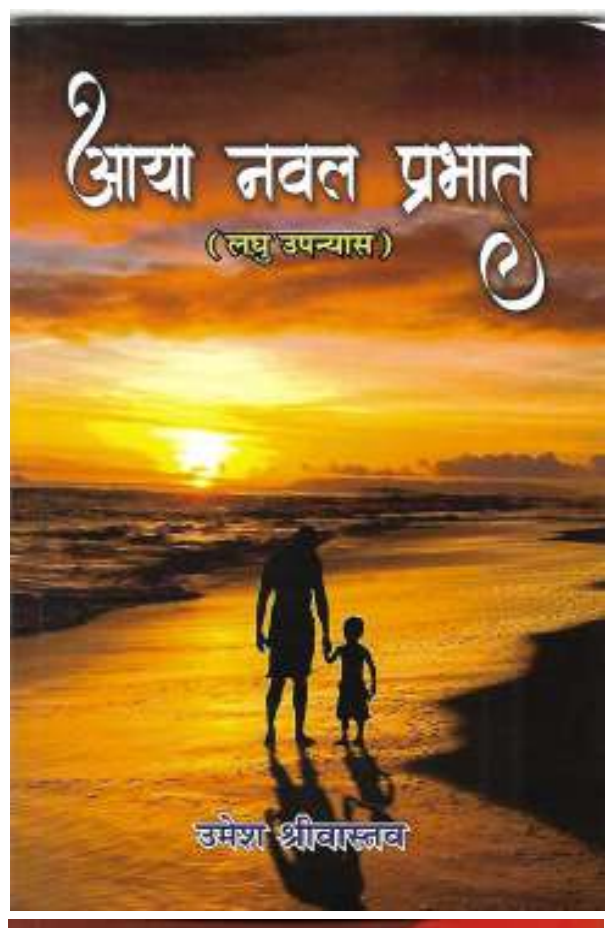

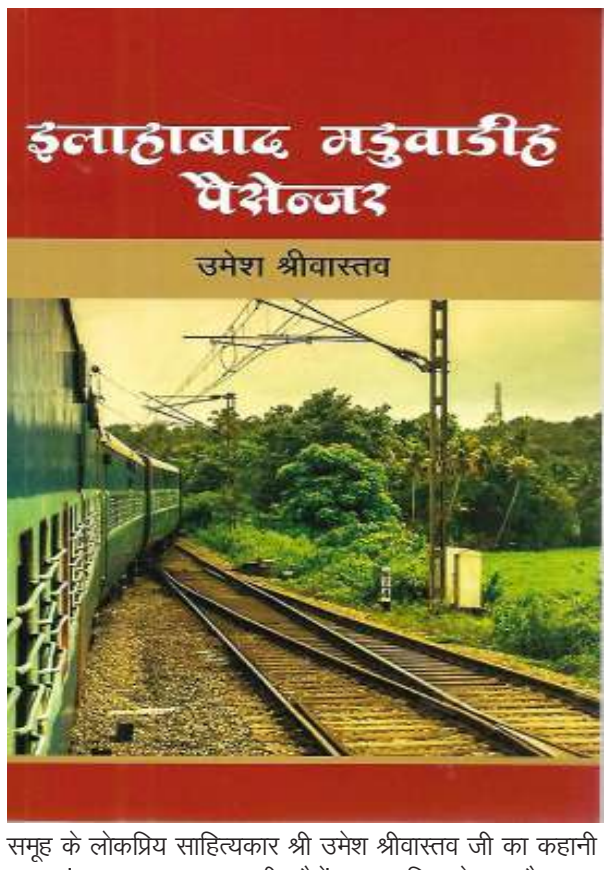

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

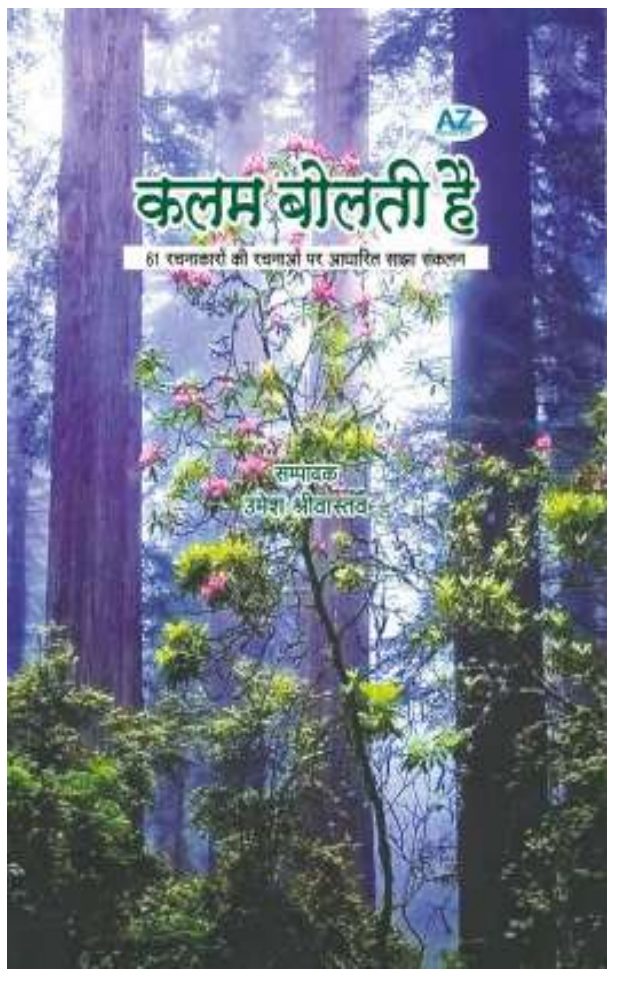

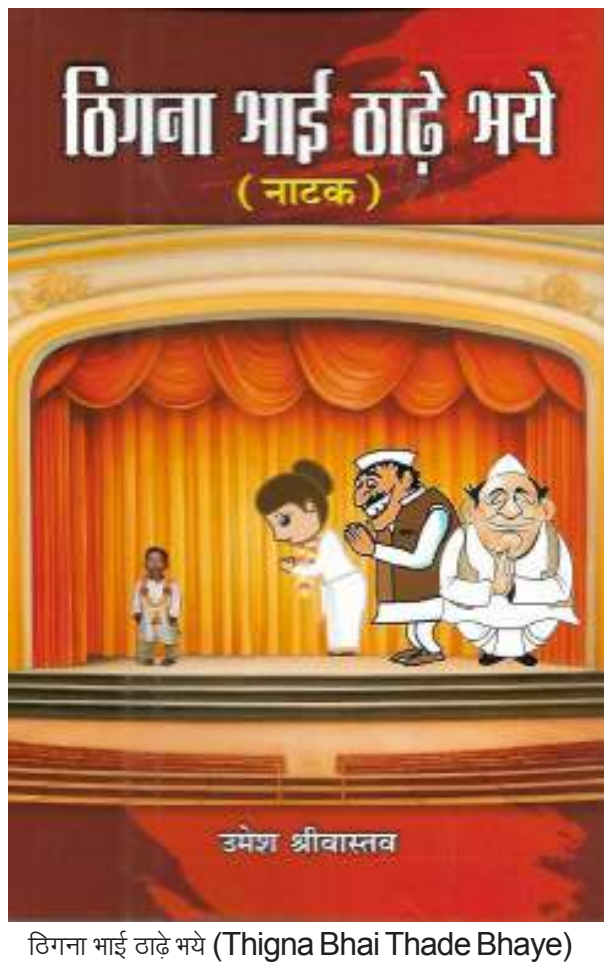

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग , एजेंसी। चीन–रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने

खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस–चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस–चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन–जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। एकतरफा संघर्षों को रोकना जरूरी बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। वैश्विक शासन को नया आकार देने का लिया संकल्प दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात–आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के संशोधन पर दिया जोर पुतिन–जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर–पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की। रूस–चीन गठबंधन अभी सबसे ज्यादा अहम पुतिन ने कहा कि मॉस्को और बीजिंग सांस्कृतिक और सभ्यतागत विविधता और राष्ट्रों के संप्रभु विकास के सम्मान की रक्षा करते हुए एक अधिक न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर US ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी, एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में

मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला श्ब्रदर्स टू द रेस्क्यूश नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था। कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ष्मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।ष वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, ष्नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।ष ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दोस्त दोस्त ना रहा: ईरान को लेकर ट्रंप-नेतन्याहू में तनाव ? अमेरिका चाहता है समझौता, इस्राइल हमले के मूड में

वाशिंगटन,एजेंसी/अमेरिका और इस्राइल के बीच ईरान युद्ध को लेकर मतभेद खुलकर सामने आते दिख रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच ईरान के खिलाफ आगे की रणनीति को लेकर तनावपूर्ण फोन पर बातचीत हुई। बताया जा रहा है कि जहां इस्राइल ईरान पर दोबारा सैन्य हमले चाहता है, वहीं अमेरिका फिलहाल समझौते और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू की तनावपूर्ण बातचीत अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई। रिपोर्ट में दावा किया गया कि बातचीत के बाद नेतन्याहू बेहद नाराज और बेचैन नजर आए। इस्राइली नेतृत्व का मानना है कि ईरान की सैन्य ताकत को पूरी तरह कमजोर करने और उसकी महत्वपूर्ण संरचनाओं को नष्ट करने के लिए दोबारा हमले जरूरी हैं। अमेरिका ने ईरान पर प्रस्तावित हमले को क्यों टाला? रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने रविवार को ईरान पर प्रस्तावित हमलों को टाल दिया था। कहा गया कि कतर, यूएई और अन्य अरब देशों के अनुरोध के बाद अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया। इसके बाद कतर और पाकिस्तान ने अन्य क्षेत्रीय मध्यस्थ देशों के साथ मिलकर एक संशोधित शांति प्रस्ताव तैयार किया, ताकि अमेरिका और ईरान के बीच जारी मतभेदों को कम किया जा सके। नेतन्याहू की क्या चाहते हैं? बताया जा रहा है कि नेतन्याहू इन वार्ताओं को लेकर काफी संशय में हैं। उनका मानना है कि बातचीत के जरिए ईरान पर पर्याप्त दबाव नहीं बनाया जा सकता। इसी वजह से इस्राइली सरकार के भीतर फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की मांग तेज हो रही है। ब्छछ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्राइली सरकार के उच्च स्तर पर दोबारा हमले को लेकर मजबूत समर्थन मौजूद है और ट्रंप प्रशासन की नरम रणनीति को लेकर नाराजगी भी बढ़ रही है। समझौते को लेकर ट्रंप ने क्या कहा? दूसरी ओर ट्रंप लगातार यह कहते रहे हैं कि ईरान के साथ समझौता संभव है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि अगर बातचीत सफल नहीं हुई तो सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू की जा सकती है। ट्रंप ने कहा कि अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या हम इस युद्ध को पूरी तरह खत्म करेंगे या फिर कोई समझौता होगा। बाद में उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच स्थिति बॉर्डरलाइन पर है, यानी दोनों देशों के बीच समझौता भी हो सकता है और युद्ध भी दोबारा शुरू हो सकता है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि नेतन्याहू ईरान के मुद्दे पर वही करेंगे जो अमेरिका चाहेगा। हालांकि उन्होंने दोनों नेताओं के बीच रिश्तों को अच्छा बताया। शांति प्रस्ताव पर ईरान ने क्या कहा? उधर, ईरान ने पुष्टि की है कि वह नए शांति प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन अब तक उसने किसी तरह की नरमी के संकेत नहीं दिए हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि बातचीत ईरान के 14 सूत्रीय प्रस्ताव के आधार पर जारी है। साथ ही यह भी बताया गया कि पाकिस्तान के गृह मंत्री मध्यस्थता में मदद के लिए तेहरान पहुंचे हुए हैं। ट्रंप ने नेतन्याहू को क्या बताया? एक्सियोस की रिपोर्ट में अमेरिकी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि ट्रंप ने नेतन्याहू को बताया कि मध्यस्थ देश एक लेटर ऑफ इंटेंट तैयार कर रहे हैं। इस दस्तावेज पर अमेरिका और ईरान दोनों हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके बाद 30 दिनों की बातचीत की प्रक्रिया शुरू होगी, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होरमुज जलडमरूमध्य को खोलने जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा USS निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी श्द हिलश की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफध ए–18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए–18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी–2 ग्रे हाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और USNS पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान (वनजीबवउ) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है। 1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा–अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा ष्यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं। मार्को रुबियो का स्पेनिश संदेश अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी। इस बयान के बाद कूटनीतिक गलियारों में तनाव और बढ़ गया है।

ग्रीनलैंड में पहाड़ टूटने से उठी सुनामी तरंगों ने नौ दिन हिलाई थी धरती, वैज्ञानिकों ने सुलझाया रहस्य

कोपेनहेगन/ग्रीनलैंड, एजेंसी। लगातार नौ दिनों तक दर्ज वैश्विक भूकंपीय तरंगों का रहस्य वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। अध्ययन से पता चला है कि ग्रीनलैंड के डिक्सन फियोर्ड में सितंबर 2023 में पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर जलक्षेत्र में गिरने से करीब 650 फीट ऊंची अनुमानित मेगा–सुनामी पैदा हुई थी, जिसके असर से दुनिया भर में लगातार 9 दिनों तक भूकंपीय संकेत दर्ज किए गए। वैज्ञानिकों के अनुसार यह घटना जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू–वैज्ञानिक अस्थिरता का गंभीर संकेत है। डिक्सन फियोर्ड ग्रीनलैंड के पूर्वी हिस्से में स्थित एक संकरा समुद्री जलमार्ग है, जो ऊंची चट्टानों और ग्लेशियरों से घिरा हुआ है। फियोर्ड दरअसल समुद्र की ऐसी लंबी और संकरी खाड़ी को कहा जाता है, जो हजारों वर्षों पहले ग्लेशियरों द्वारा चट्टानों को काटकर बनाई गई हो। इसमें समुद्र का पानी भीतर तक घुसा रहता है और दोनों ओर खड़ी पहाड़ियां होती हैं। साइंस एंड नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित अध्ययनों तथा अर्थ स्नैप की रिपोर्ट के अनुसार इस रहस्यमयी घटना को समझने के लिए दुनिया भर के 41 संस्थानों से जुड़े 70 से अधिक वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डाटा, भूकंपीय रिकॉर्ड और उन्नत कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग किया। वैज्ञानिकों के अनुसार सितंबर 2023 में दुनिया भर के भूकंपीय सेंसरों ने एक असामान्य संकेत दर्ज करना शुरू किया। यह संकेत सामान्य भूकंप जैसा नहीं था। हर 92 सेकंड पर एक समान कंपन रिकॉर्ड हो रहा था और यह क्रम लगातार 9 दिनों तक जारी रहा। इसकी तरंगें अलास्का से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक पृथ्वी की चट्टानों में दर्ज की गईं। विशेषज्ञों ने बताया कि सामान्य भूकंपों में अनियमित और तीव्र भूकंपीय पैटर्न दिखाई देते हैं, जबकि इस घटना में तरंगों का क्रम बेहद नियमित था। शुरुआती दिनों में वैज्ञानिक यह समझ नहीं पाए कि यह संकेत आखिर किस कारण उत्पन्न हो रहा है। हालांकि यह घटना सितंबर 2023 में हुई थी, लेकिन इसकी वास्तविक वजह और पूरी वैज्ञानिक तस्वीर अप्रैल 2026 में सामने आ सकी। जलवायु परिवर्तन से बढ़ रहा खतरा वैज्ञानिकों का मानना है कि इस घटना के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। पहले ग्लेशियर की बर्फ उस पहाड़ी ढलान को सहारा देती थी, लेकिन बढ़ते तापमान और गर्म समुद्री जल ने उस प्राकृतिक समर्थन को कमजोर कर दिया। एलिस गैब्रियल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पृथ्वी पर सामान्य परिस्थितियों को बदल रहा है और इसी कारण ऐसी असामान्य घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले 2017 में ग्रीनलैंड के कराट फियोर्ड में भी इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें सुनामी ने भारी तबाही मचाई थी और कई घर नष्ट कर दिए थे। इस आपदा में 8 लोगों की मौत हुई थी। डिक्सन फियोर्ड एक लोकप्रिय क्रूज मार्ग के पास स्थित है। हालांकि घटना के समय वहां कोई यात्री जहाज मौजूद नहीं था, लेकिन वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि आर्कटिक पर्यटन बढ़ने के साथ ऐसे जोखिम भी बढ़ सकते हैं।

'क्या अब हम जाकर इसे पूरा खत्म करें?', शांति समझौते में देरी को लेकर ईरान पर भड़के राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी संघर्षविराम के बाद जारी शांति वार्ता को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भड़क गए हैं। ट्रंप ने कहा है कि उनकी (ईरान) नौसेना खत्म हो चुकी है, वायुसेना नहीं है, लगभग सब कुछ समाप्त हो गया है। अब सवाल यह है कि क्या अब हम पूरी तरह तबाह कर दें? रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ईरान में इस समय काफी नाराजगी है क्योंकि लोग बेहद खराब परिस्थितियों में जीवन बिता रहे हैं। वहां असंतोष बढ़ रहा है, जैसा हमने पहले कम देखा था। जब उनसे पूछा गया कि क्या बातचीत उम्मीद से ज्यादा लंबी हो रही है, तो ट्रंप ने इसकी तुलना अमेरिका की लंबे समय तक चली सैन्य तैनातियों से की। उन्होंने कहा, आप अफगानिस्तान में 10 साल तक रहे। इराक में भी लंबे समय तक रहे। कोरिया में भी सात साल तक तैनाती रही।

'समझौता नहीं तो अमेरिका की कड़ी कार्रवाई तय', ट्रंप का ईरान को अल्टीमेटम, बातचीत अंतिम चरण में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही परमाणु वार्ता को लेकर एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ अंतिम चरण में है और यदि ईरान ने डील पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो अमेरिका कठोर और अप्रिय कदम उठा सकता है। व्हाइट हाउस से बाहर निकलते हुए संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा ष्हम ईरान के साथ अंतिम चरण में हैं। देखते हैं क्या होता है। या तो वे एक डील करेंगे या फिर हम कुछ ऐसी चीजें करेंगे जो थोड़ी कठोर होंगी, लेकिन उम्मीद है कि ऐसा नहीं होगा। नेतन्याहू को लेकर ट्रंप का बयान भी चर्चा में इस बीच, ट्रंप ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ष्नेतन्याहू वही करेंगे जो मैं चाहता हूं। वह एक बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। भूलना मत, वह युद्धकाल के प्रधानमंत्री थे और मेरी राय में, इस्राइल में उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता है।ष ट्रंप ने यह भी दावा किया कि नेतन्याहू को अपने देश में वह सम्मान नहीं मिलता, जिसके वे हकदार हैं। ट्रंप ने अमेरिका की पुरानी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि वियतनाम, अफगानिस्तान और इराक जैसे युद्ध वर्षों तक चले, जबकि ईरान के मामले में स्थिति अलग है। उन्होंने दावा किया कि इस बार अमेरिका ने अपेक्षाकृत कम समय में नियंत्रण की स्थिति बनाई है और बड़े पैमाने पर नुकसान से बचा है। उन्होंने आगे कहा कि उनके राष्ट्रपति पद के अगले तीन वर्षों में बड़ी चीजें होने वाली हैं। उन्होंने वेनेजुएला और ईरान में अमेरिका के कम हताहतों का जिक्र करते हुए कहा ष्कुछ युद्धों में, वेनेजुएला में, हमने किसी को नहीं खोया और यहां हमने 13 लोग खोए। अन्य युद्धों में, आपने लाखों लोग खोए। इसलिए लोग यह सुनना पसंद नहीं करते जब आप कहते हैं, श्ओह, क्या आप जानते हैं कि आपने 13 लोग खो दिए?श मैंने 13 लोग खोए। वे हवाई अड्डे से निकलते समय 13 लोग खो गए। ओबामा ने 13 बहुत अच्छे लोगों को खो दिया था जिन्हें मैं उनके परिवारों से मिला था। इसलिए जो हमने किया है वह अद्भुत है। हमने उन्हें तबाह कर दिया है। ईरान तबाह हो गया है। आप अगले तीन वर्षों में हमारे देश के लिए अद्भुत चीजें देखने वाले हैं।ष दूसरी ओर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि दबाव और युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरान ने लगातार अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव प्रयास किया है, हमारी ओर से सभी रास्ते खुले हैं।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता', ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने फिर दोहराया अपना रुख

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।